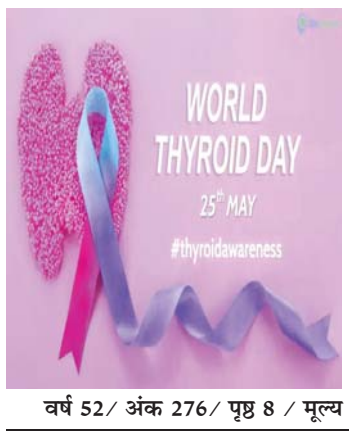

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 276/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 25 मई 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

तीन देशों की यात्रा कर दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री

ऑस्ट्रेलिया के भारतीय इवेंट में वहां का पक्ष-विपक्ष साथ बैठा, ये लोकतंत्र की आत्मा: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के बाद गुरुवार सुबह दिल्ली लौट आए। पालम एयरपोर्ट पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनका स्वागत किया। यहां उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा क्या होती है, लोकतंत्र का सामर्थ्य क्या है, यह ऑस्ट्रेलिया में हुए भारतीय इवेंट को देखकर समझा जा सकता है।

वे बोले कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के बीच जो समारोह हुआ, उसमें वहां के पीएम, पूर्व पीएम, सत्ता पक्ष के सांसद और पूरा विपक्ष शामिल हुआ था। ये वहां का लोकतंत्र है। इस इवेंट में सत्ता और विपक्ष दोनों ने भारत के प्रतिनिधि को सम्मान दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं दुनिया के देशों में जाकर दुनिया के महापुरुषों से मिलकर हिंदुस्तान के सामर्थ्य की बात करता हूं, हिंदुस्तान की युवा पीढ़ी के टैलेंट की चर्चा करता हूं और अवसर मिलने पर भारत के नौजवान कैसा पराक्रम करके दिखलाते हैं... ये मैं दुनिया में जाकर बतलाता हूं। उन्होंने कहा, इस यात्रा के दौरान जितना समय मुझे उपलब्ध था, उसका पल-पल मैंने देश की बात करने में, देश की भलाई के लिए निर्णय करने में अपना समय पूरी तरह से उपयोग किया। मैं आप से भी यही कहूंगा कि हिंदुस्तान की संस्कृति, महान परंपरा के बारे में बोलते हुए कभी भी गुलामी वाली मानसिकता में डूब मत जाना, हिम्मत के साथ बात कीजिए... दुनिया सुनने को आतुर है।

संसद भवन के उद्घाटन पर सियासी जंग जारी, केंद्र सरकार को मिला 4 विपक्षी दलों का साथ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। इस पर जमकर राजनीति हो रही है। विपक्षी दलों का कहना है कि संसद का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को करना चाहिए। कई विपक्षी दल इस

उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस उद्घाटन समारोह में मोदी सरकार को कौन-गैर एनडीए दल का साथ मिला है।

पंजाब की राजनीतिक पार्टी अकाली दल इस कार्यक्रम में शामिल होगी। इसके अलावा ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल भी समारोह का हिस्सा होगी। जगन मोहन रेड्डी की पार्टी भी इस कार्यक्रम में शामिल होगी। इसके अलावा बसपा भी समारोह का हिस्सा होने वाली है।

जगन मोहन रेड्डी की पार्टी होगी शामिल

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने ट्वीट कर कहा कि इस भव्य और विशाल संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को बधाई देता हूं। ऐसे शुभ आयोजन का बहिष्कार करना लोकतंत्र की सच्ची भावना के अनुरूप नहीं है। मैं अनुरोध करता हूं कि सभी राजनीतिक पार्टियां इस आयोजन में शामिल हो। लोकतंत्र की सच्ची भावना में मेरी पार्टी इस कार्यक्रम में शामिल होगी।

इसके अलावा बीजेपी को समर्थन देने वाले संगठन एनडीए ने कहा कि नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के राजनीतिक दलों के फैसले की निंदा करता है। एनडीए के बयान में कहा गया कि यह फैसला हमारे राष्ट्र के लोकतांत्रिक लोकाचार और संवैधानिक मूल्यों का घोर अपमान है। एनडीए ने कहा, संसद के प्रति इस तरह का अनादर बौद्धिक दिवालिएपन को दर्शाता है। साथ ही लोकतंत्र के सार के लिए परेशानी करने वाली अवमानना है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान झाबुआ जिले की जनपद पंचायत राणापुर और झाबुआ तथा छतरपुर जिले के की जनपद पंचायत गौरिहार में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत हो रहे सामूहिक विवाह सम्मेलनों में निवास कार्यालय से वर्चुअली सम्मिलित हुए। उन्होंने सभी दम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखी जीवन की कामना की।

देहरादून-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड की पहली और देश की 18वीं वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का विकास भारत के विकास में भी मदद करेगा। देश अब रुकने वाला नहीं है, वह वंदे भारत की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और बढ़ता जाएगा। देहरादून से दिल्ली तक जाने वाली यह ट्रेन इस साल लॉन्च हुई 5वीं वंदे भारत ट्रेन है। इसके साथ ही उत्तराखंड रेलवे का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण भी पूरा हो चुका है। वंदे भारत के उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि- पिछली सरकारें केवल अपने साम्राज्य की परवाह करती थीं। आम आदमी उनकी प्राथमिकता में नहीं था। पहले की सरकार ने केवल वादे किए, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं किया। हमने सभी वादों को पूरा किया। रेलवे की भी उपेक्षा की।

खस्ताहाल प्रदेश, विकास यात्रा का विरोध, सांसद छिपे: कमलनाथ

परसवाड़ा। पीसीसी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि भाजपा के 28 सांसद फिलहाल छिपे हुए हैं क्योंकि विगत 4 वर्षों में उन्होंने कोई कार्य नहीं किया, विकास यात्रा का 160 जगह पर विरोध होने से भाजपा एवं उनके जनप्रतिनिधियों की पोल खुल गई है। परसवाड़ा में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में आज हर क्षेत्र में व्यवस्थाएं खस्ताहाल हो चुकी हैं भर्ती व्यवस्थाओं की बात करें तो पेसा कोऑर्डिनेटर भर्ती में बड़ा घोटाला सामने आया, जिसने प्रदेश को लज्जित किया और आदिवासी वर्ग के अधिकारों का हनन हुआ। भारतीय जनता पार्टी का प्रयास है कि कोई ना कोई प्रलोभन देकर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जाए। 18 वर्षों तक बहनों की याद नहीं आई, किसानों की परेशानियां और बेरोजगारी याद नहीं आई चुनाव के पहले अपने पाप धोने के लिए यह सब घोषणा की जा रही।

उन्होंने कहा कि नारी सम्मान योजना का प्रदेश भर में बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है और आगे भी मिलता रहेगा प्रदेश की जनता कांग्रेस पर विश्वास कर रही है और यही विश्वास इस चुनाव में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि आलोक मिश्रा जी ने कल स्पष्ट कर दिया है कि प्रदीप जायसवाल को कांग्रेस में लेने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता, और उन्होंने यह वक्तव्य मुझसे सहमति लेकर ही दिया है। पेसा कानून में जो नियम बनाए गए हैं उनका क्रियान्वयन किस प्रकार किया जाएगा यह स्पष्ट नहीं है इस प्रकार के गोलमोल नियम बनाकर पेसा कानून को कमजोर करने का प्रयास किया गया है।

एमपी बोर्ड: 10वीं और 12वीं के परिणाम घोषित

बारहवीं का रिजल्ट 55.28, दसवीं का 63.29 प्रतिशत रहा

भोपाल। एमपी बोर्ड 12वीं के नतीजे आ गए हैं। रिजल्ट 55.28 प्रतिशत रहा। छतरपुर के विकास द्विवेदी ने स्टेट टॉप किया है। छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा की मौली नेमा और शाजापुर के रितिक पटेल दूसरे स्थान पर रहे। नर्मदापुरम के नारायण शर्मा तीसरे स्थान पर रहे। हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 63.29 प्रतिशत रहा है। छात्रों में 60.26 प्रतिशत रहा और छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 66.47 प्रतिशत रहा है। इंदौर के मृदुल पाल ने पूरे राज्य में 10वीं की परीक्षा में टॉप किया है।

मुख्यालय भोपाल में नतीजे जारी करते हुए स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा, इस बार 10वीं और 12वीं के रिजल्ट एक साथ जारी किए गए हैं। मंत्री ने कहा, कोरोना की वजह से जिन छात्रों को जनरल प्रमोशन दिया था, इस कारण इस साल 12वीं के रिजल्ट प्रतिशत में गिरावट आई है।

इस साल 12वीं के 8 लाख 57 हजार छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी। परीक्षा के लिए प्रदेशभर में 3852 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इनमें 3099 सरकारी और 753 प्राइवेट स्कूल हैं। 12वीं की परीक्षाएं 2 मार्च से 5 अप्रैल तक चलीं। 35 हजार से भी ज्यादा टीचर्स ने 60 दिन में मूल्यांकन का काम पूरा किया। 12वीं की 42.99 लाख कॉपियां जांची गई हैं।

असफल होने पर चिंता नहीं करना, जून में एक मौका और देंगे: चौहान

10वीं और 12वीं के नतीजे जारी होने से पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्टूडेंट्स को संदेश दिया। उन्होंने कहा- प्यारे भांजे और भांजियों, यदि असफल भी हो जाओ तो चिंता नहीं करना। रुक जाना नहीं योजना के जरिए आपको जून में एक बार फिर परीक्षा देने का मौका मिलेगा।

नाराज नेताओं को मनाने का जिम्मा नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद पटेल को

देर रात मुख्यमंत्री निवास पर हुई वरिष्ठ नेताओं की बैठक, मंत्रिमंडल विस्तार की भी अटकलें

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा में प्रतिदिन हो रहा विवादों, बयान बाजी और नेताओं में नाराजगी को देखते हुए कल रात वरिष्ठ नेताओं की बैठक में दो बातें सामने आई है एक तो नाराज नेताओं को मनाने का काम केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को सौंपा गया है और दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार के माध्यम से कुछ नेताओं की नाराजगी कैसे दूर की जा सकती है?

दरअसल सागर में मंत्रियों के बीच हुए घटनाक्रम और विवाद में विधायकों की नाराजगी के बाद कल रात आनन-फानन में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर व प्रहलाद पटेल तथा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय विशेष विमान से दिल्ली से भोपाल आए। ये तीनों नेता पहले राजभवन गए वहां उन्होंने राज्यपाल से कोई आधे घंटे तक चर्चा की। बाद में यह तीनों नेता मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचे जहां प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

वी डी शर्मा और हितानंद शर्मा पहले से मौजूद थे।

माना जा रहा है कि यह इन सारे वरिष्ठ नेताओं के बीच पार्टी में चल रही नाराजगी और नेताओं को मनाने की कवायद के तरीके पर चर्चा हुई। किस तरह डैमेज कंट्रोल किया जाए ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी को कोई नुकसान ना हो। विधायकों और पार्टी को कुछ नेताओं की नाराजगी को देखते हुए मंत्रिमंडल विस्तार पर भी चर्चा हुई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बैठक में यह भी चर्चा हुई कि परफॉर्मेंस के आधार पर कुछ मंत्रियों को हटाया जाए और कुछ के विभाग बदले जाएं। जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने मंत्रियों की संख्या में इजाफा भी किया जाए और मंत्रिपरिषद में पूरी क्षमता के साथ मंत्री हो। अभी मंत्री परिषद में 30 मंत्री हैं और और 4 और विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है।

लोकसभा, विधानसभा, जिला और मंडल स्तर पर बीजेपी बनाएगी सोशल मीडिया टीम – इस प्रकार मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार में 4 नए मंत्रियों को शामिल करने के साथ ही कुछ मंत्रियों को हटाने और कुछ के विभाग बदलने पर भी चर्चा हुई है।

केंद्र के अध्यादेश को लेकर आज शरद-पवार से मिलेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार अध्यादेश लाई है। आम आदमी पार्टी इसका विरोध कर रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस अध्यादेश के विरोध में विपक्षी दलों के समर्थन के लिए नेताओं से मिल रहे हैं।

इस मुद्दे पर केजरीवाल आज एनसीपी चीफ शरद पवार से मुलाकात करेंगे। वे उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, राहुल गांधी और खड़गे से भी मिल चुके हैं। सभी नेताओं ने संसद में केजरीवाल का समर्थन करने की बात कही थी। वहीं, केजरीवाल के समर्थन को लेकर कांग्रेस दो धड़ों में बंटी नजर आई। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल अध्यादेश के खिलाफ आप को समर्थन देने की बात कही। दिल्ली में पार्टी के नेता अजय माकन समर्थन से इनकार किया। अब इस मुद्दे पर आप और कांग्रेस के नेताओं में बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है।

मानसून 6 दिन से एक ही जगह अटका

नई दिल्ली। उत्तराखंड में चमोली के श्री हेमकुंड साहिब इलाके में गुरुवार को भारी बारिश और बर्फबारी हुई। इसकी वजह से हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा की यात्रा को आज के लिए रोक दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल मानसून देश में 4-5 दिन की देरी से पहुंच सकता है। वो 6 दिन से पोर्ट ब्लेयर से 425 किमी दूर नानकोवरी द्वीप पर अटका हुआ है। आमतौर पर मानसून केरल में 1 जून को पहुंचता है। लेकिन इस साल 5 से 9 जून के बीच दस्तक दे सकता है।

वहीं, 26 मई तक 13 राज्यों में हल्की बारिश होने की संभावना है। 2 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है। इससे गुरुवार से शुरू हो रहे नौतपा में

तापमान कम रहने के आसार हैं। इस बार जून में मानसूनी हवाओं के कमजोर रहने के भी संभावना है।

आईएमडी के मुताबिक, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण 26 मई तक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, 13 राज्य- उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में धूल भरी आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप पर भी हल्की बारिश होने की संभावना है।

इस समय बारिश मानसून के लिए अच्छा संकेत नहीं- मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभों का मार्च से लेकर मई तक सक्रिय रूप से आना अच्छा संकेत नहीं है। यूं तो मानसून कई कारणों से प्रभावित होता है, लेकिन एक बड़ा कारण मानसून से पहले तेज गर्मी पड़ना भी है।

पहली बार नहीं है जब शिलान्यास-उद्घाटन में राष्ट्रपति के अधिकार पर चल गया प्रधानमंत्री का वीटो

नई दिल्ली। लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर (संसद भवन) की नई बिल्डिंग के उद्घाटन समारोह का 19 दलों ने बहिष्कार करने की घोषणा कर दी है। इस कार्यक्रम के बहिष्कार करने पर विपक्षी दलों का कहना है कि संसद के उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सरकार ने दरकिनार कर दिया है। विपक्ष का कहना है कि सरकार का ये कदम लोकतंत्र की हत्या करने जैसा है। कांग्रेस, डीएमके और तृणमूल समेत 19 दलों ने एक साझा बयान जारी कर कहा कि संविधान में राष्ट्रपति को संसद का अभिन्न अंग माना गया है। इसके अलावा वे राष्ट्र प्रमुख होते हैं। ऐसे में उन्हें संसद भवन के उद्घाटन समारोह में नहीं बुलाना लोकतंत्र के लिए गलत है। राहुल गांधी ने राष्ट्रपति को निमंत्रण न दिए जाने को संवैधानिक पद का अपमान बताया है। इस मामले पर राहुल ने ट्वीट कर कहा- संसद अहंकार की ईंटों से नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों से बनती है। वहीं संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने बहिष्कार के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शिलान्यास-उद्घाटन पर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल का उदाहरण देते हुए विपक्ष को घेरने की कोशिश की। भारत में आजादी के बाद से ही उद्घाटन और शिलान्यास में राष्ट्रपति के अधिकारों पर प्रधानमंत्री का वीटो लगता रहा है। ऐसे मामलों पर कई बार बवाल मचा तो कई बार इस तरह के मुद्दे को तवज्जो नहीं दी गई। आइए आपको बताते हैं कब-कब सुर्खियों में आए इस तरह के मामले-

1. इंदिरा गांधी और वीवी गिरी मामला- साल 1971 में अमर ज्योति जवान- नई दिल्ली इंडिया गेट के पास भारत-पाक युद्ध में शहीद और युद्ध के बाद अज्ञात सैनिकों की याद में अमर ज्योति जवान बनाई गई थी। इस स्मारक के चारो तरफ सोने से अमर जवान लिखा गया है। इस स्मारक के सबसे ऊपर एक सेल्फ-लोडिंग राइफल अपने बैरल पर अज्ञात सैनिक के हेलमेट के साथ खड़ी है। 21 जनवरी 1972 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इसका उद्घाटन किया था। उस समय देश के राष्ट्रपति थे वीवी गिरी, अमर ज्योति जवान के उद्घाटन पर भी कई सवाल भी उठाए गए थे। लेकिन युद्ध की वजह से मामला दबा दिया गया। इस मामले में विपक्षी नेताओं का कहना था कि राष्ट्रपति तीनों सेना के प्रमुख होते हैं, इसलिए उनसे इसका उद्घाटन करवाना चाहिए था, लेकिन उनसे उद्घाटन नहीं करवाया गया था। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के लिए पाक पर भारत ने कार्रवाई की थी, 13 दिनों तक चले इस युद्ध में भारत 3,843 जवान शहीद हुए थे। इसके बाद अमर ज्योति बनाने का सरकार ने फैसला किया था।

2. कलाम और दिल्ली मेट्रो मामला- साल था 2002 और महीना था दिसंबर का मौका था दिल्ली मेट्रो के उद्घाटन का, इउस मौके पर शहरी विकास मंत्रालय ने इसके लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रण भेज दिया। उस वक्त एपीजे अब्दुल कलाम आजाद देश के राष्ट्रपति थे। देश की राजधानी होने के चलते दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है और यह सीधे राष्ट्रपति के अधीन होता है। उपराज्यपाल राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के तौर पर सरकार के कामों की मॉनिटरिंग करते हैं। फाइनल मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास फाइलें भेजी जाती है। उस समय दिल्ली मेट्रो के उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति के सर्वेसर्वा होने की दलील दी गई थी। तब भी विपक्षी

नेताओं का कहना था कि दिल्ली में राष्ट्रपति से ही मेट्रो का उद्घाटन करवाना चाहिए।

3. नेशनल वॉर मेमोरियल रामनाथ कोविंद मामला- साल 2019 में नेशनल वॉर मेमोरियल का उद्घाटन इंडिया गेट स्थित अमर जवान ज्योति के पास नेशनल वॉर मेमोरियल के रुप में होना था। उस वक्त चर्चा थी कि राष्ट्रपति इसका उद्घाटन करेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर दिया। उस वक्त राष्ट्रपति थे- रामनाथ कोविंद। तब शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री से उद्घाटन कराए जाने का विरोध भी किया। उनका तर्क था कि राष्ट्रपति सभी सेनाओं के प्रमुख होते हैं, इसलिए सैन्य से जुड़े चीजों का उद्घाटन उन्हें ही करना चाहिए। वॉर मेमोरियल में 27 हजार शहीद जवानों का भी नाम लिखा है। इसके भीतर 21 परमवीर चक्र विजेताओं की मूर्ति भी बनाई गई है। वहीं युद्ध से जुड़ी यादों को भी वॉर मेमोरियल में रखा गया है।

उद्घाटन को लेकर आखिर क्यों बरपा है हंगामा?- संविधान के अनुच्छेद 79 में कहा गया है कि भारत में एक संसद होगी, जिसमें राष्ट्रपति और दो सदन (राज्यसभा और लोकसभा) होंगे। राष्ट्रपति को संसद सत्र आहुत, सत्रावसान करना एवं लोकसभा को भंग करने की शक्ति भी है। राष्ट्रपति के पास लोकसभा के लिए आंग्ल भारतीय समुदाय से 2 सदस्य तथा राज्यसभा के लिए कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा क्षेत्र के 12 सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार है। यानी भारत के राष्ट्रपति संसद के मजबूत स्तंभ हैं। 2020 में नई बिल्डिंग का शिलान्यास किया गया था। उस वक्त राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे और उन्हें नहीं बुलाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका शिलान्यास किया था। संविधान में प्रधानमंत्री सिर्फ कार्यपालिका प्रमुख हैं। ऐसे में माना जा रहा था कि संसद का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों कराया जाएगा, लेकिन बीते दिनों लोकसभा सचिवालय ने प्रधानमंत्री को आमंत्रित कर दिया। राहुल गांधी ने लोकसभा सचिवालय के आमंत्रण को राष्ट्रपति के अपमान से जोड़ दिया। इसी के बाद विपक्ष सरकार के खिलाफ हमलावर है। 19 दलों ने एक साझा चिट्ठी जारी कर इस कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया है।

नए संसद भवन की खूबियां- 862 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला नया संसद भवन तैयार हो गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला 28 मई को करेंगे। लुटियन्स दिल्ली में तिकोने आकार में बना नया संसद भवन चार मंजिला है। इसे सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया है। सीटों की हिसाब से देखें तो नए संसद के लोकसभा में 888 सांसदों की बैठने की व्यवस्था है। राज्यसभा में 384 सांसद बैठ सकेंगे। दोनों सदनों के संयुक्त मीटिंग में कुल 1280 सांसद एक साथ बैठ सकेंगे।

नया संसद भवन भूकंपरोधी बनाया गया है और इसके फर्श का कलर धूसर हरा है। संसद की नई बिल्डिंग 64 हजार 500 वर्ग मीटर में बनाई गई है। संसद में 3 द्वार बनाए गए हैं, इन्हें ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार नाम दिया गया है। संसद के भीतर प्रधानमंत्री, स्पीकर और नेता प्रतिपक्ष के ऑफिस को हाईटेक बनाया गया है। इसके लिए कमेटी की मीटिंग रूम भी काफी उच्चस्तरीय बनाया गया है। संसद में साउंड क्वालिटी और माइक भी बेहतर क्वालिटी के लगाए गए हैं।

आखिर क्यों पड़ी नए संसद भवन की जरुरत?- भारत का वर्तमान संसद भवन साल 1927 में ब्रिटिश शासन के दौरान बनाया गया था। पुराने संसद के लोकसभा में सिर्फ 590 सांसदों के ही बैठने की व्यवस्था थी। सरकार का कहना था कि संसद का पुरानी बिल्डिंग सुरक्षा की दृष्टि से खराब हो चुका है। 2026 में लोकसभा की सीटों का परिसीमन होना है और संख्या में काफी बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में नई बिल्डिंग की जरुरत थी। भवन के मूल डिजाइन का कोई रिकॉर्ड या दस्तावेज नहीं है, जिससे इसका संशोधन काफी मुश्किल हो गया था। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर सरकार ने बिल्डिंग बनाने का ऐलान किया। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका खारिज कर दिया, जिसके बाद इसके निर्माण में तेजी आई।

पीडीएस दुकानों से खाद्यान्न वितरण के लिए अन्न उत्सव 25 से

भोपाल । जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने सभी कनिष्ठ और सहायक खाद्य निरीक्षक को निर्देश दिए हैं कि वे पीडीएस दुकानों से खाद्यान्न वितरण की सतत और परिणाममूलक मानीटरिंग करें और 25 से 27 मई तक होने वाले अन्न उत्सव में निर्देश अनुसार राशन वितरित करवाएं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि माह अप्रैल 2023 में संपन्न हुये अन्न उत्सव में अनेक उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं द्वारा 25 प्रतिशत से कम राशन वितरण किया गया है जो कि अत्यंत खेदजनक तथा क्षेत्र में पीडीएस पर निरीक्षकों की मॉनिटरिंग की कमी को दर्शाता है। अन्न उत्सव की मॉनीटरिंग मुख्यालय स्तर से भेजे गए अधिकारियों द्वारा उचित मूल्य दुकान पर नियुक्त नोडल अधिकारी की उपस्थिति अन्न उत्सव के आयोजन पर सुनिश्चित की जाए। सामग्री वितरण हेतु प्रत्येक दुकान पर पीओएस मशीन उपलब्ध एवं चालू हालत में हो। माह मई 2023 के आवंटन अनुसार खाद्यान्न का प्रदाय उचित मूल्य दुकानों पर कराया जाए। उचित मूल्य दुकानों पर अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को आमंत्रित कर पात्रता अनुसार योजना का खाद्यान्न एवं अन्य सामग्री का वितरण कराया जाए। अन्न उत्सव के आयोजन में सतर्कता समिति के सदस्यों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। पात्र परिवारों की ईकेवाईसी, मोबाइल एवं आधार सीडिंग की दुकानवार समीक्षा की जाए। उचित मूल्य दुकानवार नियुक्त नोडल अधिकारी द्वारा अन्न उत्सव के दौरान दुकान पर की जाने वाली गतिविधियों की समीक्षा भी की जाए।

31 मई को मनया जाएगा तम्बाकू निषेध दिवस

भोपाल । नशामुक्त अभियान में 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन किया जाएगा। तम्बाकू को छोड़ दो जीवन को मोड़ दो विषय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। आयुक्त सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण ने प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि नशामुक्त मध्यप्रदेश अभियान के तहत जिला स्तर पर सभी विभागों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विभाग स्तर पर नशामुक्ति प्रशिक्षण एवं छोटे-छोटे कार्यक्रम अवश्य करें। यह प्रक्रिया सतत रूप से जारी रहेगी, जिससे नशीले पदार्थ और शराब, तम्बाकू आदि के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के विरुद्ध लोग जागरूक रहें। अभियान में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ वॉल-पेंटिंग, रंगोली प्रतियोगिता, मैराथन, प्रभात-फेरी, नुक्कड़ नाटक आदि कार्यक्रम किये जायेंगे। शासकीय एवं सार्वजनिक स्थलों के आसपास होडिंग या बैनर द्वारा नशामुक्ति संदेश का प्रचार करने को कहा गया है।

सिद्धिविनायक कॉलोनी नीलबड़ के रहवासियों ने वैधता मिलने पर जताया आभार

भोपाल। निर्मल स्थित सिद्धिविनायक कॉलोनी को वैधता प्रदान करने पर मुख्यमंत्री क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा का आभार व्यक्त किया सिद्धिविनायक कॉलोनी समिति के अध्यक्ष उदयवीर सिंह यादव ने बताया कि 2009 में यह कॉलोनी बनाई गई थी इसमें 500 से अधिक मकान निर्मित हो रहे हैं उदयवीर सिंह ने बताया कि कॉलोनी की वैधता ना होने से अनेक प्रकार की दिक्कत है रहवासियों को हो रही थी उदय सिंह यादव ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे सभी रह वासियों को मूलभूत सुविधाएं प्राप्त हो सके इस अवसर पर दर्शन सिंह परमार उपाध्यक्ष प्रदीप मालवीय संजय शर्मा सूरज पटेल संतोष मिश्रा सहित अनेक रहवासी वैधता मिलने

राम-सीता की प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के लिए निकाली कलश यात्रा, बड़ी संख्या में शामिल हुए ग्रामीण

संत हिरदाराम नगर। कोलूखेड़ी ओवर ब्रिज स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर मोज़ा मोज दादा दरबार पर राम सीता की प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ हेतु विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं व कुमारी कन्याएं माथे पर कलश रखकर शामिल हुई। कलश यात्रा ईंटखेड़ी गणेश मंदिर से कुलांसी नदी का पवित्र जल भरकर खजूरी सड़क से होते हुए यज्ञ शाला तक पहुंची जहां विधिविधान से पूजा कर कलश स्थापित किये गए।

इस कलश यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया जहां आगे आगे डीजे पर नाचते हुए युवा चल रहे थे तो वहीं पीछे पीछे सिर पर कलश लेकर महिलाएं चल रही थी जिसके बाद खुली जीप में साधु संत सबको अपना आशीर्वाद दे रहे थे। तेज गर्मी को देखते हुए सड़क को ठंडा करने के लिए कलश यात्रा के आगे दो टैंकर पानी बरसाते हुए चल रहे थे। रास्ते में जगह जगह कलश यात्रा का फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। कई जगह भक्तों ने कलश यात्रियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की थी।

ज्ञात हो की मोजा मौज दरबार में श्री राम सीता की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठान हेतु महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जो कि 24 मई से 30 मई तक चलेगा वहीं इसी बीच 28 मई को खजूरी सड़क से श्री राम की बारात जनकपुरी बरखेड़ा सालम को जाएगी जहां विवाह के बाद मोजा मौज दरबार लाकर स्थापित की जाएगी। जिसको लेकर खजूरी सड़क और बरखेड़ा सालम के निवासियों द्वारा तैयारियां की जा रही हैं इस राम बारात में हजारों की संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

संगीत प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन पर दी नाटक की आकर्षक प्रस्तुतियां

संत हिरदाराम नगर। रंगमोहल्ला सोसाइटी द्वारा आयोजित संगीत प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन पर कलाकारों द्वारा संगीत नाट्य प्रस्तुति दी गई। जिसमें नाटक बिरसा मुंडा व रानी कुंवरि गणेश के गीतों प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति की शुरुआत गणेश वंदना से हुई इसके बाद नाटक बिरसा मुंडा के गीत कुछ लम्हें फिर हमको सताते हैं, लोहा कब रोक सका है लोहे जैसे वादों को, नदी किनारे जंगल तारे, नाटक रानी कुंवरि गणेश के लोकगीत नैना बंध लागे कहियो प्रस्तुत किये गए। प्रस्तुति के बाद सभी प्रशिक्षित कलाकारों को वरिष्ठ रंगकर्मी एवं संस्था के संगीत निर्देशक सुरेन्द्र वानखेड़े द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किये गए व श्रोताओं ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यशाला में संगीत प्रशिक्षण भोपाल शहर के गायक व संगीतकार संकेत भारत द्वारा दिया गया।। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष प्रदीप कुमार अहिरवार, सचिव अदनान खान उपस्थित थे।

निगम आयुक्त ने राहुल नगर फेस-2 परियोजना स्थल पर किया निरीक्षण

भोपाल। निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत राहुल नगर फेस-2 स्थित परियोजना स्थल का निरीक्षण किया और प्रचलित एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में निगम अधिकारियों एवं निर्माणकर्ता कंपनी के कंसलटेंट से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी ने तकनीकि बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए कार्य की धीमी गति पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कंपनी पर पेनाल्टी अधिरोपित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने कार्य की गति बढ़ाकर तीव्र गति से कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संदीप केरकेट्टा, अधीक्षण यंत्री आर.के.सक्सेना सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने बुधवार को राहुल नगर फेस-2 स्थित परियोजना स्थल में प्रचलित कार्यों के निरीक्षण के दौरान प्रचलित एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में निगम अधिकारियों एवं कंपनी के कंसलटेंट से तकनीकि बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने परियोजना स्थल पर बार बार निर्देश देने के बाद भी पीसीसी वर्क पूरा न करने, परियोजना स्थल पर आरएमसी प्लांट स्थापित न करने तथा कार्य के प्रति लापरवाही एवं कार्य की धीमी गति देखकर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माणकर्ता कंपनी पर पेनाल्टी अधिरोपित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने वर्षाऋतु प्रारंभ होने के पूर्व रिटर्निंग वाल एवं फाउंडेशन के सभी प्रस्तावित कार्यों को समयबद्ध कार्य योजना के अनुसार शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शिक्षक भर्ती सन 2018 को लेकर पात्र शिक्षक भूख हड़ताल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी में शिक्षक भर्ती सन 2018 को लेकर पात्र शिक्षकों ने उनकी नियुक्ति हेतु भोपाल में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। जो लगभग 8 महीने से लगातार संघर्ष कर रहे हैं , एक तरफ तो शिवराज सरकार लाडली बहना योजना चलाकर 1 हजार रुपए देने का आश्वासन देती है, वही दूसरी ओर जिन बहनों और भाईयो ने अपने कौशल से शिक्षक पात्रता परीक्षा पास कर अपने लिए रोजगार हासिल किया उन्हें नियुक्ति नही दे रहीं है, उसके लिए वही बहनें 3 दिन से भूख हड़ताल पर हैं शासन,प्रशासन में से किसी ने कोई सुध नही ली। गोतम नगर भोपाल स्थित लोक शिक्षण संचालनालय के सामने बैठी है अपने नन्हे नन्हें बच्चों के साथ वो बहने जिन्हे इस गर्मी में अपने घर मे होंना चाइये था वो बहनें शिवराज सिंह के कारण रास्ते में हैं सड़क पर है । करणी सेना परिवार 8 जनवरी जन आंदोलन में शिक्षक भर्ती सन 2018 की मांग अपने मांग पत्र में शामिल कर धरना प्रदर्शन कर चुकी है। जिसमें मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक कोई भी संज्ञान नहीं लिया। आज करणी सेना परिवार से ठाकुर जीवन सिंह शेरपुर शैलेंद्र सिंह, झाला अपनी टीम के साथ भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षकों को समर्थन देने पहुंचे हैं।

एलएनसीटी ग्रुप में 1.12 करोड़ के उच्चतम पैकेज के साथ 2780 छात्रों का कैम्पस सिलेक्शन

भोपाल। एलएनसीटी में हर साल की तरह वर्ष 2022-23 में भी प्लेसमेंट को लेकर यहां के छात्रों का जलवा कायम रहा है। अभी तक एलएनसीटी से 2780 छात्रों का प्लेसमेंट हुआ है और सभी छात्रों को बेहतर पैकेज मिला है। लेकिन कुछ छात्रों को ऐसा पैकेज मिला है कि सुनकर आप भी चौंक जाएंगे। एलएनसीटी के छात्र गंतव्य मालवीय, अंश श्रीवास्तव और अंजली परिहार को 1.12 करोड़ रुपए सालाना का पैकेज मिला है। यह ऑफर उन्हें एमेजॉन ईयू कंपनी की तरफ से किया गया है।

रचित गोयल, हितेश कुमार साहू और चिराग राजानी को एमेजॉन में 44 लाख रुपए सालाना का पैकेज मिला है। हर्ष कहार्ड को ब्लिंक इट ने 25 लाख रुपए सालाना का ऑफर दिया है। वृंदा मिश्रा का वालमार्ट में 23.4 लाख रुपए सालाना का पैकेज लगा है। ऋषभ सिंह को यूबीएस ने 21 लाख रुपए, आदर्श कुमार और सेजल गुप्ता को गूगल ने 17.7 लाख रुपए सालाना का ऑफर किया है। वहीं ह्यष्ड्डद्यद्गह्ल में 4 छात्रों को 20 लाख रुपए सालाना और 6 छात्रों को vmware में 19.5 लाख रुपए सालाना का पैकेज मिला है। सिस्को में 18 छात्रों का 17.6 लाख रुपए और Deutsche Bank में 16 छात्रों का 19.6 लाख सालाना के पैकेज पर चयन हुआ है।

दरअसल एलएनसीटी ग्रुप ने इस साल छात्रों के प्लेसमेंट का एक नया कीर्तिमान रच दिया है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी एलएनसीटी ग्रुप द्वारा विभिन्न कंपनियों में चयनित छात्रों को सम्मानित करने के लिए कॉलेज कैम्पस में ट्रायंफ-2023 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के द्वारावर्ष 2022-23के चयनित छात्रों को सम्मानित किया गया। एलएनसीटी ने 2780 प्लेसमेंट ऑफर्स के साथ मध्य भारत में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सभी चयनीत छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल एलएनसीटी मैनेजमेंट के द्वारा प्रदान किए गए। सॉफ्टवेयर कंपनियों के साथ-साथ एलएनसीटी ग्रुप कोर कंपनी के द्वारा भी अपने छात्रों को प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करता है, जिसके अंतर्गत जेएसडब्ल्यू में 14 छात्र 9.5 सालाना, अदानी में 37 छात्र 6.5 सालाना, अशोक लेलैंड मैं 6 छात्र 5.5 सालाना और त्रिवेणी टर्बाइंस में 2 छात्र का 5.5 सालाना के पैकेज पर चयनित हुए है। एलएनसीटी ग्रुप के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डिपार्टमेंट ने छात्रों को इंडस्ट्री रेडी बनाने के लिए कई मल्टीनेशनल कंपनियों से इंडस्ट्री टाइअप किए हैं, जिनके द्वारा छात्रों को बेहतर ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जाती है। इन कंपनियों में मुख्यतः सिस्को, माइक्रोसॉफ्ट, विप्रो, इंफोसिस आदि शामिल है।

एलएनसीटी के प्रो. चांसलर डॉ. अनुपम चौकसे ने बताया कि इस साल 88 प्रतिशत छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट गूगल, अमेजन, वालमार्ट, सिस्को, ब्लिंक इट, अडानी, जेएसडब्ल्यू, इंफोसिस, एचएसबीसी जैसी बड़ी कंपनियों में हुआ है। इस साल अब तक कुल (100 +)से ज्यादा कंपनियां जॉब्स ऑफर लेकर आ चुकी हैं।

जिला प्रशासन के साथ एनडीआरएफ का चल रहा लगातार संयुक्त मॉक अभ्यास

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केबल कार (रोप-वे) का आमतौर पर प्रयोग पहाड़ी इलाकों में आवागमन सुगम बनाने के लिए किया जाता है। रोपवे को भारत के पर्वतीय प्रदेशों में आने वाले समय का नया ट्रांसपोर्ट सिस्टम बनाने के दिशा मे कार्य चल रहा है। पर्वतमाला प्रोजेक्ट के प्रमुख रूट पर रोपवे बनने से हर घंटे मे लगभग आठ हजार यात्री सफर करते हैं। भारत में पिछले वर्ष झारखंड के देवघर स्थित त्रिकूट रोपवे हादसे से पहले, रोपवे को लेकर इतना बड़ा हादसा कभी नहीं हुआ था। इसे ध्यान मे रखते हुए आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन योजना के तहत एनडीआरएफ के द्वारा देश भर मे केबल कार (रोप-वे) आपात स्थिति पर ज़िला प्रशासन के साथ लगातार संयुक्त मॉक अभ्यास किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में बुधवार को श्री मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक, 11 एनडीआरएफ वाराणसी के दिशा-निर्देशन मे एवं श्री रवि सिंह, सहायक कमांडेंट की देखरेख में कन्वेयर रोपवे सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल, जिला-भोपाल में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एसडीआरएफ, होमगार्ड, पुलिस, चिकित्सा विभाग, अग्निशमन विभाग और कन्वेयर रोपवे सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के साथ संयुक्त रूप से केबल कार आपात स्थिति पर 11 एनडीआरएफ की प्रशिक्षित एवं अनुभवी टीम द्वारा एक मॉक अभ्यास आयोजित किया गया। मॉक एक्सरसाइज के दौरान, केबल कार इमरजेंसी पर एक परिदृश्य चित्रित किया गया, जिसमें मानुआभान टेकरी के कन्वेयर रोपवे सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल, जिला-भोपाल के दो केबल कारें जमीन से 35 फीट लगभग की ऊंचाई पर रस्सी से टकरा गई हैं और ये दो करें किसी तकनीकी समस्या के कारण रोपवे पर नहीं जा सकीं और कारों के अंदर यात्री फंस गए। तदनुसार, ईओसी को घटना के बारे में सूचित किया गया, उन्होंने आगे एनडीआरएफ नियंत्रण कक्ष और सभी संबंधित हितधारकों को आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए सूचित किया। घटना स्थल पर पहुंचने पर, एनडीआरएफ की टीम ने प्रारंभिक मूल्यांकन किया और साथ ही ऑपरेशन के बेस, कमांड पोस्ट, मेडिकल पोस्ट और संचार पोस्ट की स्थापना की और आकलन के बाद, टीम ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और सभी फंसे हुए पीड़ितों को विभिन्न रस्सी बचाव व अन्य तकनीक के माध्यम से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मेडिकल एजेंसियों द्वारा प्राथमिक उपचार देने के बाद सभी पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया।

इस पूरे अभ्यास के दौरान इंसिडेंट रिस्पोंस सिस्टम के दिशा-निर्देशों पर जोर दिया गया और इसका पालन किया गया। इस मॉक अभ्यास को श्री हरेंद्र नारायण एडीएम जिला-भोपाल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इसके साथ ही डीडीएमए, श्री राम कुमार शर्मा ज़िला कामंडेंट एसडीईआरएफ, स्वास्थ्य, पुलिस, अस्पताल के कर्मचारी, रोपवे सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारी, आगंतुक एवं मीडियाकर्मों ने भाग लिया। मॉक एक्सरसाइज का उद्देश्य सभी हितधारकों के बीच समन्वय बनाना, उपचारात्मक उपाय करना, संसाधनों की दक्षता की जांच करना और प्रतिकूल स्थिति में बचाव कार्यवाही को परखना था, जिससे किसी भी केबल कार रोपवे दुर्घटना में त्वरित कार्यवाही करते हुए मानव जीवन को बचाया जा सके। एनडीआरएफ बचावकर्ताओं द्वारा प्रदर्शित पेशेवर कौशल की जिला प्रशासन सतना एवं सीहोर द्वारा अत्यधिक सराहना की गई।

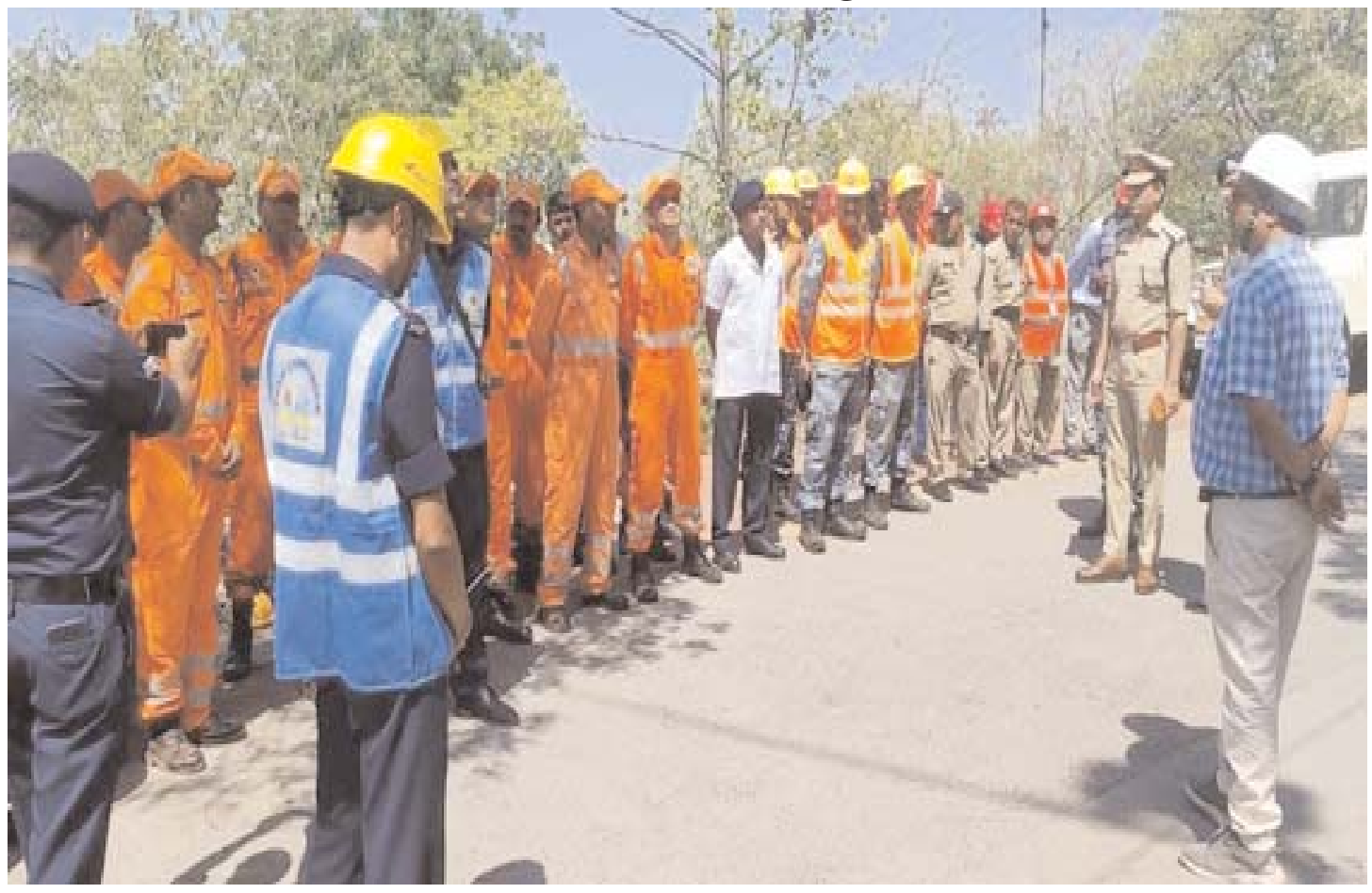

प्लिंथ से लेकर छत तक घटिया काम, ठेकेदारों को नोटिस, इंजीनियरों से जवाब तलब

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव के निर्देश पर निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह के निर्देश गठित जांच जल ने मैदानी स्तर पर हो रहे भवन, सड़क निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया तो भवन निर्माण में प्लिंथ से लेकर छत तक के निर्माण घटिया पाए गए, उनमें कमियों मिली। इसके बाद काम करने वाले ठेकेदारों को नोटिस थमाए जा रहे है और मानीटरिंग के लिए जिम्मेदार इंजीनियरों से भी जवाब-तलब किया गया है।

महाकाल की नगरी उज्जैन जिले के कार्यो के निरीक्षण के लिए भोपाल से गए अधीक्षण यंत्री लोनिवि योगेन्द्र कुमार ने हामूखेड़ी मार्ग में डेढ़ किलोमीटर चौड़ी और 3.375 मीटर लंबे 39 लाख के लेन नवीनीकरण कार्य के निरीक्षण में पाया कि चैनेज 1480 उप उपर की सतह ही रफ मटेरियल भौतिक रुप से दिख रहा था। हाई सोल्डर का निर्माण कार्य हेतु करीब सात-आठ डम्पर दो से तीन फिट साईज के बोल्डर युक्त सामग्री कार्यस्थल पर रखी थी। ठेकेदार के प्रतिनिधि ने कहा कि यह उसने नहीं रखा है जबकि ग्रामीणों ने बताया कि रोड की पटरी के निर्माण हेतु यह सामग्री ठेकेदार ने ही लाई। यहां चेनेज का सेम्पल लिया गया और प्रयोगशाला भेजा गया। ठेकेदार और मैदानी अधिकारियों को हार्ड सोल्डर का काम निर्धारित मानक सामग्री और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सात दिन में पूरा करने को कहा गया है। अब गुणवत्ता का सत्यापन अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री करेंगे।

कार्यपालन यंत्री जतिन सिंह चुण्डावत, सहायक यंत्री केबी सिंह, उपयंत्री विनोद त्रिपठी और उनकी टीम ने 386 लाख 87 हजार की लागत से बन रहे काम में 239 लाख के अनुबंध से ठेकेदार अमन कंस्ट्रक्शन बनाए जा रहे शासकीय माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में छह अतिरिक्त कक्षों का निरीक्षण करने पर पाया गया कि कार्य के सुपरविजन और क्वालिटी कंट्रोल हेतु नियत कंसलटेंसी के टीम लीडर, फील्ड इंजीनियर, मटेरियल इंजीनियर को किसी भी प्रकार के कार्य का तकनीकी ज्ञान नहीं है। कार्य बिना किसी कार्ययोजना के बेतरतीब तरीके से संपादित कराया जा रहा था। काम के कालम ग्रिड दो में चार डी तक में छज्जे की कास्टिंग अमानक तरीके से की गई थी जिसमें लाईन और लेवल में औसतन चालीस एमएम से साठ एमएम का अंतर पाया गया। इसी प्रकार बिम ग्रीडएन दो से एन सात तक की प्लिंथ बीम में एक लाईन में नहीं है। भौतिक परीक्षण में औसतन चालीस से 45 एमएम का अंतर पाया गया। स्टेयर केश के निर्माण के स्थान पर फिलिंग के उपर बगैर काम्पेशन के पुअर बेस कांक्रीट की गई है जो अत्यंत निम्न स्तर का है।

उज्जैन तराना कानीपुरा मार्ग जो 699 लाख रुपए की लागत से कराया जा रहा है। वहां निरीक्षण में बीसी में ओवरसाईज का मटेरियल उपयोग किया गया। भौतिक सत्यापन में प्लांट पर परीक्षण में भी 2.36 एमएम से डाउन ग्रेडेड की पासिंग परसेंटेज कम पाई गई। डस्ट पार्टिकल में डाउन ग्रेवल न होकर पाउडर फार्म में पाया गया।

उज्जैन इंदौर मार्ग से उज्जैन देवास मार्ग के बीच ढाई किलोमीटर लंबी सड़क मरम्मत काम में हाई सोल्डर को ड्रेसिंग कराने की जरुरत महसूस की गई। किलोमीटर स्टोन और पाईट स्टोन मिसिंग मिले। 65 किलोमीटर लंबे पंचक्रोशी मार्ग पर किलोमीटर स्टोन और पाइंट स्टोन मिसिंग मिले, हाई सोल्डर को ड्रेसिंग करने की जरुरत पाई गई। कडछा बाडकुम्मेद ताजपुर नजरपुर के बीच 30.27 किलोमीटर लंबे मार्ग में बीसी का कार्म तीन किलोमीटर में छोड़ दिया गया था। ग्राम बाडकुम्मेद के बसाहट क्षेत्र का काम ग्रामीणजनों से विचार के कारण चैनेज 8000 से 8600 में बंद पाया गया।सरपंच रेखा परिहार और ग्रामीणजनों ने बताया कि गांव के बसाहट क्षेत्र में काम करने में कोई बाधा नहीं है। पंद्रह दिन पहले दुर्घटनाग्रस्त हुए चैनेज में सार्फ कर्व को ज्योमेट्रिक इम्प्रूव करते हुए एक्स्ट्रा वाईडिंग का काम इसी अनुबंध में करवाने के निर्देश दिए गए।

माहेश्वरी महिला संगठन ने आयोजित किया कार्यक्रम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पूर्वी मध्य क्षेत्र प्रदेश की भोपाल संभाग की माहेश्वरी महिला संगठन मध्यांचल भोपाल इकाई द्वारा एक कार्यक्रम संगठन की सदस्य के जहांगीराबाद स्थित भवन पर संपन्न हुआ संपन्न हुई महिला माहेश्वरी महिला संघ की पूर्वी मध्य क्षेत्र प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती ने बताया कि इस बैठक में माहेश्वरी महिला संघ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी गई साथ ही इस अवसर पर महिलाओं के लिए खेलकूद कार्यक्रम एवं सहभोज की व्यवस्था भी की गई इस कार्यक्रम में ऐसी खेलों की जानकारी दी गई है जो समाज में पहले प्रचलित लेकिन अब लुप्त हो रहे हैं इस तरह के खेल महिलाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हैं इस बैठक को माहेश्वरी महिला संघ भोपाल की जिला इकाई अध्यक्ष संतोष गगरानी ने भी संबोधित किया महिला माहेश्वरी संघ मध्यांचल इकाई की अध्यक्ष शर्मिला मालपानी ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ संघ सदस्यों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया और उन्हें अपनी जिम्मेवारी के प्रति अवगत कराया गया आज की इस बैठक को महिला व्यक्तित्व विकास प्रभाग की प्रभारी द्वारा भी संबोधित किया गया इस अवसर पर शिवराम नाटिका का मंचन भी किया गया इसमें भगवान राम की शिव के प्रति आस्था एवं शिव कि भगवान राम के प्रति आस्था को दर्शाया गया आज के इस कार्यक्रम में सुप्रिया महेश्वरी सचिव तनुश्री काबरा उपाध्यक्ष विनीता बावड़ी, श्रुति गट्टानी मालती माहेश्वरी कीर्ति सिंघे अर्चना बांगर सपना सोमानी रानी माहेश्वरी स्नेहा भंडारी मंजुला माहेश्वरी उमा काबरा संरक्षक, सुधा तकेतिया सुनीता महेश्वरी विनीता फोफलिया सहित बड़ी संख्या में माहेश्वरी महिला संघ की सदस्य सम्मिलित हुई।

भूपेंद्र सिंह भोपाल में थे ,तो कोर कमेटी की मीटिंग में क्यों नहीं पहुंचे ?

भोपाल। मध्य प्रदेश का सागर जिला इन दिनों सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। जिले के तीनों मंत्रियों भूपेंद्र सिंह, गोपाल भार्गव और गोविंद सिंह राजपूत के विवाद की खबरें मीडिया में चौतरफा देखी जा सकती है।

तीनों के विवाद के बाद बताया गया है कि विवाद को सुलझाने के लिए सीएम शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा ने एक बैठक बुलाई।

सागर जिले के कोर कमेटी और जनप्रतिनिधियों के साथ सीएम शिवराज सिंह चौहान व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ मुलाकात के मामले में सामने आए मसले को लेकर गोपाल भार्गव ने कहा कि मंगलवार को मुख्यमंत्री चौहान, प्रदेश अध्यक्ष शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा से अलग-अलग मुलाकात जरूर हुई है लेकिन इसमें सागर जिले के विकास और समस्याओं के अलावा कोई मुद्दा नहीं उठा। न ही किसी के भी बारे में कोई शिकायत की गई है। भार्गव ने कहा कि चूंकि जिला कोर कमेटी को बुलाया गया था और कुछ जानकारी चाही गई थी। इसलिए सभी से मुलाकात के दौरान जिले के विकास और अन्य कठिनाइयों की चर्चा सीएम और संगठन से की है।

उधर बीजेपी जिला अध्यक्ष सागर गौरव सिरोठिया का कहना है कि सागर की जिला कोर कमेटी को बुलाया गया था तो इस बैठक में संगठनात्मक कामकाज और अन्य विकास के मामलों में चर्चा हुई है। जैसा बताया जा रहा है वैसे किसी मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं की गई। इस बैठक के लिए जिले के सभी जनप्रतिनिधि साथ पहुंचे थे।

इस पूरे मामले में एक सवाल यह भी उठ रहा है कि सागर जिले से मंत्री भूपेंद्र सिंह भी इस दिन भोपाल में थे। वे पहले अवैध कालोनी वैध करने के कार्यक्रम में और बाद में कैबिनेट बैठक में सीएम शिवराज और अन्य मंत्रियों के साथ थे तो सागर जिले के जनप्रतिनिधियों की बैठक में क्यों नहीं पहुंचे? सागर जिले की कोर कमेटी में वे भी शामिल हैं। इसलिए अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी और भोपाल में होने के बाद भी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष के साथ हुई बैठक में मंत्री भूपेंद्र की नामौजूदगी सवाल खड़े कर रही है। इसी संदर्भ में चल रही चर्चाओं और मीडिया में आई खबरों को लेकर लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम संघर्ष की कोख से पैदा हुए हैं, इस्तीफे की कोई बात नहीं है। भार्गव ने कहा कि हम इस्तीफे लेने वाले हैं, देने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे बीजेपी के संस्थापक सदस्यों में शामिल हैं। इसलिए इस्तीफा का सवाल ही नहीं उठता। जब उस दौर में संघर्ष में पीछे नहीं हटे तो अब क्यों हटेंगे?

सुंदरवन नर्सरी में 26वें सिंधी मेले का आयोजन 3 और 4 जून को

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सिंधी समाज की अग्रणी सामाजिक संस्था सिन्धी मेला समिति भोपाल की ओर से पारिवारिक सिंधी मेला के सफलतम 26वें वर्ष में प्रवेश पर इस वर्ष नया स्वरूप में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सिन्धी मेला समिति द्वारा आयोजित 26वें सिंधी मेले का आयोजन 3 और 4 जून को सुंदरवन नर्सरी में होगा। इसमें प्रवेश निःशुल्क रहेगा। एनके यूजिकल इवेंट ग्रुप की रंगारंग प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहेगी। यह बहिराणा साहिब और ज्योति प्रज्वलन से शुरू होगा। सिंधी मेला समिति द्वारा दो दिवसीय पारिवारिक सिंधी मेले का आयोजन शनिवार 3 और रविवार 4 जून लालघाटी स्थित सुंदर वन नर्सरी में शाम 7 बजे से किया जा रहा है। सिंधी मेला समिति द्वारा सफलता पूर्वक 26 वर्षों से इस सिंधी मेले का आयोजन किया जा रहा है। सिंधी मेला समिति अध्यक्ष ने बताया कि इस बार मेले का आयोजन बहिराणा साहिब ज्योति प्रज्वलन, झुमिर व छेज (सिंधी डांडिया) के साथ प्रारंभ होगा।

प्रदेश भर में पटवारियों की हड़ताल है। भोपाल के कलेक्टर कार्यालय में पटवारियों के दफ्तर सूने पड़े रहे।

हाथ-ठेला, फेरी वालों, रेहड़ी वालों की पंचायत 29 को मुख्यमंत्री निवास में

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने आगामी 29 मई को मुख्यमंत्री निवास में प्रस्तावित नगरीय क्षेत्र के हाथ-ठेला, फेरी वालों, रेहड़ी वालों की पंचायत की तैयारियों की समीक्षा की। श्री सिंह ने सभी तैयारियाँ समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हाथ-ठेला, फेरी वालों, रेहड़ी वालों की पंचायत में पीएम स्व-निधि योजना के हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति-पत्र वितरित करेंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सभी नगरीय निकायों में किया जाएगा। पंचायत में भोपाल नगर के हाथ ठेला हितग्राही, पथ विक्रेताओं एवं रेहड़ी वाले शामिल होंगे। यह कार्यक्रम सभी नगरीय निकायों में भी होगा। नगरीय निकायों में स्थानीय जन-प्रतिनिधियों द्वारा पथ विक्रेताओं को पीएम स्व-निधि योजना में ऋण स्वीकृति-पत्र वितरित किये जायेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मण्डलोई, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव, आयुक्तनगरपालिक निगम भोपाल केवीएस चौधरी कोलसानी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

350 श्रद्धालुओं के साथ मनोज शुक्ला ब्रज दर्शन एवं गिरिराज परिक्रमा के लिए रवाना

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला आज नरेला विधानसभा क्षेत्र के 3 वार्डों की 350 महिला श्रद्धालुओं के साथ पवित्र गिरिराज जी परिक्रमा के 19 वें चरण के लिए रवाना हुए। शुक्ला ने नरेला विधानसभा क्षेत्र की माताओं-बहनों और धर्मप्रेमियों बंधुओं को ब्रज दर्शन और गिरिराज जी परिक्रमा कराने की अनूठी पहल की है।

इस पवित्र धार्मिक यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का चयन करने के लिए प्रत्येक वार्ड में कार्यक्रम आयोजित किए और यात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों से फार्म भरवाए गए। 19 वें चरण की यात्रा के लिए लॉटरी द्वारा 350 माता-बहनों का चयन किया गया। जिन माता-बहनों का नाम लॉटरी में नहीं आया, उन्हें साड़ी, मिठाई और भगवान कृष्ण और राधा की तस्वीर भेंट कर उनका सम्मान किया गया। क्षेत्र की माता-बहनों को पवित्र ब्रज दर्शन और गिरिराज परिक्रमा कराने की शुक्ला की इस पहल को पूरे क्षेत्र में सराहा जा रहा है। गली-मोहल्लों और चौक-चौराहों पर इस धार्मिक यात्रा की चर्चा हो रही है। शुक्ला

के इस सेवा भाव की लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

इस धार्मिक यात्रा के 19 वे चरण की शुरूआत 24 मई दिन बुधवार को हुई। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला अपने साथ 350 माताओं, बहनों के साथ भोपाल रेलवे स्टेशन प्लेटाफॉर्म नंबर एक पर लेकर पहुंचे। यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व, मनोज शुक्ला ने रेल्वे स्टेशन पर बने बालाजी पिपलेश्वर हनुमान मंदिर पर महाआरती की। इसके बाद सभी श्रद्धालु शुक्ला के साथ पातालकोट एक्सप्रेस से इस यात्रा के लिए रवाना हुए। यात्रा के 19 वे चरण में नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 69, 70, एवं 71 के श्रद्धालु शामिल हैं। यह सभी श्रद्धालु 25 मई को गिरिराज परिक्रमा करेंगे एवं 26 मई को सभी की वापसी होगी। यात्रा पर जाने के पूर्व शुक्ला ने कहा कि गोवर्धन पूजा अहंकार को समाप्त करने के लिए द्वापर युग में शुरू हुई थी। प्रदेश की सत्ता में बैठे लोग भी अहंकार में डूब गए हैं। उनके अहंकार को समाप्त करने के लिए नरेला की 350 माता-बहनों के साथ गिरिराज जी की 21 किमी की परिक्रमा करने जा रहे हैं।

भारत टॉकीज ओवर ब्रिज पर फिर से शुरू हुआ ट्रैफिक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

करीब 6 महीने बाद भोपाल चीज् बड़ी आबादी को सीधे रेलवे स्टेशन से जोड़ने वाले भारत टॉकीज ओवर ब्रिज पर ट्रैफिक फिर हुआ शुरू हो गया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने किया ब्रिज का निरिक्षण। सारंग बोले ब्रिज 1972 में बना था, ब्रिज के बैरिंग पूरी तरह से समाप्त हो गए थे, हमने विगत दिनों इंस्पेक्शन करके ब्रिज की मरम्मत का मसौदा तैयार किया था। 360 बैरिंग और 15 एक्सपेंशन ज्वाइंट बदले गए हैं आने वाले कई सालों के लिए पूरी तरह से सफेद के लिए ब्रिज पूरी तरह तैयार है। अधिकारियों को डेडलाइन दिए थे कि ब्रिज पर 25 मई तक ट्रैफिक शुरू करना है तय समय पर कार्य पूर्ण हुआ। करीब 12 दिन ब्रिज पर ट्रेफिक का ट्रायल चलेगा फिर डामरीकरण किया जाएगा।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर के नाम पर होगा निर्माणाधीन ऑडिटोरियम

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान का अधिकतम लोगों को मिले लाभ : गृह मंत्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गृह एवं इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान-2.0 से अधिकतम लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। डॉ. मिश्रा ने जिला योजना समिति की बैठक में अभियान की समीक्षा की। बुधवार को हुई बैठक में सर्व-सम्मति से स्वर कोकिला स्व. लता मंगेशकर के नाम पर राजेन्द्र नगर में निर्माणाधीन ऑडिटोरियम का नामकरण करने का निर्णय लिया गया।

मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान के द्वितीय चरण में भी इंदौर में बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को

लाभान्वित करने के लिये गहनता पूर्वक पात्रता परीक्षण करने के निर्देश दिये। मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिये। इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाये। सभी को पात्रता अनुसार लाभ दिलाया जाये। बैठक में बताया गया कि अभियान में अब तक एक लाख 54 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 91 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण किया गया है। नवीन शासकीय महाविद्यालय नंदा नगर का नाम माँ कनकेश्वरी देवी शासकीय महाविद्यालय और फूटी कोठी चौराहे पर निर्मित होने वाले फ्लाई ओवर-ब्रिज का नाम संत सेवालाल के नाम पर किये जाने के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया। क्षेत्रीय सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, डॉ. राजेश सोनकर और गोलू शुक्ला, मधु वर्मा सहित अन्य जन-प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नीमच में 925 युवाओं को 12 करोड़ 16 लाख से अधिक राशि वितरित

भोपाल। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में युवाओं को स्किल डेवलपमेंट का प्रशिक्षण दिला कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना से सरकार बेरोजगारी को समाप्त करने का प्रयास कर रही है। एमएसएमई मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा बुधवार को नीमच में जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री सखलेचा ने जिले के 925 युवाओं को विभिन्न योजनाओं में 12 करोड़ 16 लाख 90 हजार रूपये के हितलाभ भी वितरित किए। उन्होने सिंगल क्लिक से 16 एमएसएमई इकाइयों को 3 करोड़ 72 लाख रूपये अनुदान राशि का अंतरण भी किया। एमएसएमई मंत्री सखलेचा ने जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम में कहा कि नीमच जिले में गत एक वर्ष में 216 नये छोटे एवं बड़े उद्योग प्रारंभ हुए हैं। इन उद्योगों से 10 हजार युवाओं के लिए रोजगार का सृजन हुआ है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी उद्योग, सीखो-कमाओ योजना में अपनी जरूरत के लिए युवाओं को चयनित कर प्रशिक्षण प्रदान करें। योजना में जिले में लगभग 3 हजार युवाओं का स्किल डेवलपमेंट होगा।

स म्पा द की य

नए संसद भवन का लोकार्पण

देश का नया संसद भवन बन कर तैयार है और इसका 28 मई को लोकार्पण होने जा रहा है। लेकिन लोकार्पण को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानों का बवाल मचा हुआ है। बीस विपक्षी दलों ने इस उद्घाटन समारोह का बायकॉट कर दिया है। विपक्षी दलों की मांग यह है कि इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों नहीं होना चाहिए, जबकि सत्तापक्ष का मानना है कि संसद भवन का निर्माण मोदी की पहल पर ही हुआ है, तो वे ही इसका उद्घाटन करें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि उद्घाटन राष्ट्रपति से करवाना चाहिए। राष्ट्रपति संसद के सत्रों की शुरुआत करते रहे हैं। उनका अभिभाषण भी संसद में होता है। विपक्ष ये सवाल पहले से उठाता आ रहा है कि कठिन आर्थिक दौर में इस नए संसद भवन की ज़रूरत ही क्या थी?

हालांकि राष्ट्राध्यक्ष होने के नाते राष्ट्रपति से उद्घाटन करवाने की माँग एक तरह से सही भी है, लेकिन झगड़ा यह है कि सत्ता पक्ष यह बड़ा अवसर गँवाना नहीं चाहता और विपक्ष इसका श्रेय मोदी या भाजपा की झोली में डालना नहीं चाहता। सवाल यह उठता है कि क्या कांग्रेस का शासन होता तो वह इस श्रेय को छोड़ देती? शायद नहीं छोड़ती। फिर भाजपा से यह उम्मीद क्यों की जा रही है?

जैसा कि कहा जा रहा है- आखिरकार नए संसद भवन की पहल तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ही है। इसलिए जिसने आगे बढ़कर यह इनीशिएटिव लिया हो, श्रेय भी उसी को मिलना चाहिए। अब यह तय हो गया है कि संसद भवन के उद्घाटन समारोह का अधिकांश विपक्षी दल बायकॉट करेंगे, लेकिन लगता नहीं कि इस विरोध से भाजपा या प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक सेहत पर कोई फ़र्क़ पड़ने वाला है। वैसे भी बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह ने साफ़ कह दिया है कि हमने तो सभी को निमंत्रण भेजा है और सरकार चाहती है कि सभी दल इस समारोह में अवश्य आएँ क्योंकि यह ऐतिहासिक घटनाक्रम है। सभी नेताओं को इसका साक्षी बनना ही चाहिए। गृहमंत्री के इस बयान का सीधा सा मतलब यह है कि हमने निमंत्रण भेज दिया है। आओ तो अच्छा! नहीं आओ तो आपकी मर्ज़ी! उद्घाटन कार्यक्रम तो रुकने या टलने वाला है नहीं। और वो भी प्रधानमंत्री मोदी ही करेंगे।

वैसे होना तो यह चाहिए था कि सरकार ही विपक्षी दलों को मनाती। विपक्षी दल भी इसे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देखते। जिस संसद में सभी दलों को बैठना है, उसके उद्घाटन समारोह में भी सारे दलों की उपस्थिति होती तो यह एक बेहतर उदाहरण बनता। आने वाली पीढ़ियाँ जब इसका इतिहास पढ़ेंगीं तो उन्हें भी भारतीय राजनीतिक दलों के मेलजोल की एक पॉजिटिव गवाही मिलती। वर्ना राजनीति तो होती रहती है और आगे भी होती रहेगी। हालांकि यह भी सही है कि पिछले एक दशक से सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच की खाई गहरी होती जा रही है। संसद के सत्रों में केवल औपचारिकता होती है, किसी भी मुद्दे पर न तो स्वस्थ बहस होती है और न ही सहमति का कहीं उदाहरण मिल रहा है। लोकतंत्र पर लगा हुआ ग्रहण हटेगा या नहीं, यह सवाल तो उठेगा और उठता ही रहेगा।

मोदी शिखर पर, लेकिन राहुल का कद बढ़ा

जनता की राय के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भी भारत के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। साथ ही देश की सबसे बड़ी पोस्ट के लिए वह लोगों की पहली पसंद भी हैं। लेकिन इसके साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकप्रियता में आश्चर्यजनक इजाफा होते दिख रहा है। सर्वे और अध्ययन में कई चौंकाने वाले परिणाम सामने आ रहे हैं।

असल में कर्नाटक में कांग्रेस की वापसी के बाद भाजपा, खासतौर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में काफी कुछ कहा जा रहा है। क्या मोदी लहर राज्यों में कमजोर पड़ रही है? क्या राहुल गांधी का कद तेजी से बढ़ा है? लोकनीति-सीएसडीएस और एनडीटीवी ने सर्वे के जरिए ऐसे कई सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश की है। पीएम मोदी के कार्यकाल को 9 साल हो रहे हैं और ऐसे में सर्वे के जरिए जनता का मूड भांपने की कोशिश की गई। अगले साल 2024 में लोकसभा चुनाव हैं। कर्नाटक चुनाव के ठीक बाद 19 राज्यों में 10 से 19 मई के बीच यह सर्वे किया गया है। कर्नाटक में करारी हार के बाद भी इस सर्वे से बीजेपी को राहत मिलती नजर आ रही है।

सर्वे के नतीजे बता रहे हैं कि पीएम मोदी देश में फिलहाल लोकप्रियता के शिखर पर बरकरार हैं और पार्टी का वोट शेयर भी उसके साथ बरकरार है। सर्वे में शामिल करीब 43 प्रतिशत लोगों ने कहा कि भाजपा की अगुआई वाली एनडीए को तीसरा कार्यकाल भी मिलना चाहिए, जबकि 38 प्रतिशत लोग इसके विरोध में थे। 40 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर आज चुनाव हुए तो वे भाजपा को वोट देंगे। कांग्रेस को 29 प्रतिशत लोगों ने वोट देने की बात कही।

2019 में भाजपा का 37 प्रतिशत वोट शेयर था जो 2023 में बढ़कर 39 प्रतिशत हो गया। कांग्रेस का 19 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत हो गया। खास बात यह है कि सर्वे में शामिल 43 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर आज चुनाव कराए जाते हैं तो पीएम पोस्ट के लिए नरेंद्र मोदी ही उनकी पहली पसंद होंगे। हां, दूसरे नंबर पर राहुल गांधी टक्कर दे सकते हैं। 27 प्रतिशत लोगों ने प्रधानमंत्री के रूप में राहुल को अपनी पहली पसंद बताया। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल दोनों 4 प्रतिशत वोट के साथ काफी पीछे हैं। अखिलेश यादव के पक्ष में 3 प्रतिशत और नीतीश कुमार के समर्थन में 1 प्रतिशत लोग खड़े दिखे।

पीएम मोदी का समर्थन करने वाले ज्यादातर लोग, लगभग 25 प्रतिशत, उनकी भाषण शैली के कायल हैं। विकास के लिए 20 फीसदी, हार्ड वर्क के लिए 13 प्रतिशत, करिश्मा के लिए 13 प्रतिशत और 11 प्रतिशत लोग नीतियों के कारण मोदी को पसंद करते हैं। जब लोगों से यह पूछा गया कि 2024 में पीएम मोदी को कौन चुनौती दे सकता है? इसके जवाब में 34 प्रतिशत लोगों ने राहुल गांधी का नाम लिया जबकि अरविंद केजरीवाल का नाम लेने वाले 11 प्रतिशत थे। 5 प्रतिशत लोगों ने अखिलेश, 4 प्रतिशत ने ममता का नाम लिया।

26 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे हमेशा से राहुल को पसंद करते रहे हैं जबकि 15 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल को पसंद करना शुरू किया। 16 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे कांग्रेस नेता को पसंद नहीं करते। उधर, 55 प्रतिशत लोग कई मोर्चों पर सरकार के कामकाज से संतुष्ट हैं। करीब 38 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे कुछ हद तक केंद्र सरकार के काम से संतुष्ट हैं। 21 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे बिल्कुल भी सरकार से संतुष्ट नहीं हैं।

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी : मंत्री सिंधिया के और सिरदर्द शिवराज का

अरविंद तिवारी

कांग्रेस से भाजपा में आने के बाद ज्योतिरादित्य

सिंधिया जिस अंदाज में अपनी लाईन आगे बढ़ा रहे थे, वह अब मध्यप्रदेश सरकार में शामिल उनके खेमे के मंत्रियों के कारण धुंधलाने लगी है। भाजपा के ही नेता सिंधिया से जुड़े मंत्रियों के भ्रष्टाचार के किस्से उदाहरण के साथ बताने लगे हैं।

चूंकि सरकार वापस बनवाने में सिंधिया की अहम भूमिका रही है, इसलिए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान भी इन मंत्रियों के भ्रष्टाचार को अनदेखा कर रहे हैं। बात यहीं खत्म नहीं हो रही है, चूंकि इन मंत्रियों पर मुख्यमंत्री अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं, इसलिए अब दूसरे मंत्री भी बेलगाम होते जा रहे हैं। मंत्रियों का यह भ्रष्टाचार सरकार के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है।

18 साल का 'विकास' और बात 84 के दंगों की

मध्यप्रदेश में 18 साल से भाजपा की सरकार है और सत्ता व संगठन दोनों का दावा है कि इस दौर में मध्यप्रदेश का कायाकल्प हो गया। स्वाभाविक है भाजपा नेताओं के भाषणों में बरसने वाला यही विकास चुनाव का मुख्य मुद्दा भी होना चाहिए। प्रदेश में जैसा भाजपा नेता कह रहे हैं, यदि वैसा ही सबकुछ हुआ है तो फिर किसी दूसरे मुद्दे की जरूरत ही नहीं। लेकिन अचानक 84 की दंगों की बात सामने आने लगी है और कमलनाथ को निशाने पर लिया जा रहा है। कमलनाथ पर इस आक्रमण की कमान संगठन प्रमुख वीडी शर्मा ने संभाली है। देखना यह है कि चुनाव आते-आते विकास से और कौन-कौनसे मुद्दे आगे निकलते दिखते हैं।

विजयवर्गीय की बेबाकी, निशाने पर मंत्री और कार्यकर्ता बाग-बाग

मध्यप्रदेश में सरकार और संगठन भले ही कैलाश विजयवर्गीय की कद्र न करे, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए तो वे आज भी हीरो हैं। पिछले दिनों भोपाल में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में विजयवर्गीय ने जिस तरह मंत्रियों को घेरे में लिया और प्रभार के जिलों में पाला छूने के अंदाज में जाने की बात कही।

कार्यकर्ताओं को ऐसा लगा मानो किसी ने उनके दिल की बात कह दी हो। वैसे यह हकीकत है कि प्रदेश के ज्यादातर मंत्री इन दिनों जिस तरह अपने प्रभार के जिलों में नेताओं और कार्यकर्ताओं से दूरी बनाकर चल रहे हैं, वह उनमें एक बड़े असंतोष का कारण बन रहा है। हालांकि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को बुढ़ऊ कहने के बाद सोशल मीडिया पर विजयवर्गीय ट्रोल भी हुए हैं।

बेटे की बगावत और मुख्यमंत्री के निशाने पर पशुपालन मंत्री

पिछले दिनों भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की मौजूदगी में हुए एक कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री प्रेमसिंह पटेल की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बन गई। कार्यक्रम पशुपालन विभाग का ही था, लेकिन इसमें मंत्री की गैर मौजूदगी के चलते गोपालन बोर्ड के चेयरमैन को ज्यादा तबज्जो मिली। कहा यह जा रहा है कि मुख्यमंत्री इन दिनों पशुपालन मंत्री इससे बहुत खफा हैं। कारण यह है कि पिछले दिनों हुए जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में बड़वानी जिले में मंत्री जी ने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ अपने बेटे को मैदान में उतार दिया था। बेटा जीत तो गया, लेकिन मंत्री जी सीएम के निशाने पर आ गए। यह बगावत उनका विधानसभा टिकट भी खतरे में डाल सकती है।

अफसर पर भारी पड़ गया टेंट-तम्बू लगाने वाला ठेकेदार

सरकार के आयोजनों में टेंट-तम्बू लगाने वाला भोपाल का एक ठेकेदार कितना पावरफुल है, इसका अंदाज इसी से लगाया जाता जा सकता है कि अपने मन-मुताबिक काम न होने के कारण उसने साफ सुथरी छवि वाले एक आईएएस अफसर का तबादला ही करवा दिया। सरकार के प्रचार-प्रसार से वास्ता रखने वाले विभाग में पदस्थ रहे उक्त अफसर ने जब ठेकेदार को होने वाले भुगतान को लेकर कुछ मुद्दे 'बड़े साहब' के सामने रखे थे। वे चाहते थे कि एक समिति बनाकर पूरी पारदर्शिता के साथ इस विषय को निराकृत किया जाए। ठेकेदार को यह पसंद नहीं था। इसके बाद जो हालात बने उसी का नतीजा है कि अफसर पर ठेकेदार भारी पड़ गया।

इस बार घी थाली के बाहर गिरने की स्थिति में

2018 के विधानसभा चुनाव के पहले जब भी महेश जोशी के सामने अश्विन जोशी और पिंटू जोशी के बीच तीन नंबर के टिकट को लेकर खींचतान का मामला उठता था, वे एक ही बात कहते थे कि कुछ भी हो घी थाली में ही गिरेगा। लेकिन इस बार ऐसे हालात दिख नहीं रहे हैं। छोटे जोशी यानि पिंटू मानने को तैयार नहीं हैं। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे बड़े नेता उनकी पीठ पर हाथ रख चुके हैं। अश्विन जोशी के अपने अलग तेवर हैं। वे इंदौर तीन से एक बार फिर किस्मत आजमाना चाहते हैं। दोनों पीछे हटने को तैयार नहीं हैं और भाइयों की खींचतान से तीन नंबर के समीकरण भी गड़बड़ाते नजर आ रहे हैं। तय है कि इस बार घी थाली में नहीं गिरेगा।

चलते-चलते

इंदौर के वे कौन अपर कलेक्टर हैं, जो इन दिनों अपनी एक महिला मित्र के कारण बड़े परेशान हैं। यह महिला मित्र उनका पीछा नहीं छोड़ रही है और मामला इतना बिगड़ गया है कि अब अपर कलेक्टर सहमें-सहमें से रहते हैं। वैसे शुरुआती दिनों में दोनों के बीच बहुत प्रगाढ़ता रही, पर पता नहीं बाद में बात क्यों बिगड़ गई। वैसे इनका पुराना रिकार्ड बहुत साफ-सुथरा है।

पुछल्ला

दिग्विजय सिंह के सामने जिस अंदाज में अश्विन जोशी और पिंटू जोशी में विवाद हुआ और छोटे जोशी बड़े भाई के खिलाफ भड़के उसने राजा को भी चौंका दिया। राजा का चौंकना इसलिए भी स्वाभाविक था कि पिछली बार यानि 2018 के चुनाव में ऐन वक्त पर उनकी मदद के कारण ही अश्विन का टिकट पक्का हो पाया था। अब वे राजा की बात मानने को भी तैयार नहीं हैं।

अब बात मीडिया की

मध्यप्रदेश में अपने को मजबूत करने में लगे पत्रिका ने अब अपना सारा फोकस 14 से 40 वर्ष की उम्र के पाठकों पर केंद्रित कर लिया है। इसके लिए हर संस्करण में विशेष तैयारी चल रही है। पत्रिका द्वारा करवाए गए एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि अभी भी अखबार 14 से 40 वर्ष के पाठकों की जरूरतों की पूर्ति नहीं कर पा रहा है।

नईदुनिया इंदौर में इन दिनों तीन जासूसों की बड़ी चर्चा है। ये तीन जासूस अखबार के तीन अलग-अलग विभागों में सेवाएं दे रहे हैं। कहां क्या हो रहा है, इस पर इनकी पूरी नजर रहती है। आखिर ऐसी स्थिति में क्यों बनी, यह कोई समझ नहीं पा रहा है। वैसे इस सबका फायदा दो संपादकीय प्रभारी की व्यवस्था लागू होने के बाद राज्य संपादक को जरूर मिल रहा होगा।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बाद द सूत्र अब राजस्थान में भी एंट्री कर रहा है। द सूत्र 1 जुलाई से राजस्थान में काम शुरू कर देगा। आनंद पांडे, हरीश दिवेकर, सुनील शुक्ला और विजय मांडगे की चौकड़ी जिस दबंग शैली में काम कर रही है, वह मीडिया जगत के साथ ही नेताओं व नौकरशाहों के बीच चर्चा का विषय है।

नईदुनिया के सिटी चीफ जितेन्द्र यादव इन दिनों दफ्तर नहीं आ रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि मार्निंग मीटिंग में हुई गहमागहमी के बाद यादव ने यह कदम उठाया। हालांकि घोषित तौर पर इसके पीछे अस्वस्थता को कारण बताया जा रहा है। नईदुनिया की रिपोर्टिंग टीम के बीच गुटबाजी अब खुलकर सामने आ गई है।

दैनिक भास्कर में लंबे समय तक सेवाएं देने के बाद नईदुनिया इंदौर में अच्छी पारी खेल रहे रिपोर्टर गजेन्द्र विश्वकर्मा फिर से भास्कर पहुंच गए हैं। गजेन्द्र एजुकेशन बीट खासकर प्रोफेशनल्स कोर्सेस से जुड़ी खबरों पर महारत हासिल रखते हैं।

अभी तक बंसल न्यूज में सेवाएं दे रहे दीपक मिश्रा और शुभांगी सिंह ने अब संस्थान को अलविदा कह दिया है। दीपक ने जल्दी ही लांच होने वाले बीएस टीवी को ज्वाइन किया है तो शुभांगी अब न्यूज 18 का हिस्सा होंगी।

अमृतकाल में लोकतंत्र के मूल्यों पर वैचारिक आपातकाल

सरयूसुत मिश्र

लोकतंत्र के लिए ऐतिहासिक अवसर नई संसद का लोकार्पण लोकतंत्र के मूल्यों पर वैचारिक आपातकाल के अवसर के रूप में बदलता दिखाई पड़ रहा है. जिस संसद के मंदिर में सजदा कर सांसद जनता की सेवा की सौगंध लेते हैं उसी मंदिर को राष्ट्र को समर्पित करने के कार्यक्रम का विरोध विपक्षी एकता के प्रहसन के रूप में प्रदर्शित किया जा रहा है।

पहले तो नए संसद भवन के निर्माण के प्रोजेक्ट का ही पुरजोर विरोध किया गया. सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद ही नई संसद बन पाई है. कभी नए संसद परिसर में लगाये गए शेरों की छवि पर विवाद किया गया तो कभी इस पर खर्च हो रही राशि को लेकर विपक्ष ने विरोध की पराकाष्ठा पार की. रिकॉर्ड समय में अब जब नया संसद भवन बन गया है और सावरकर जयंती पर 28 मई को इसका उद्घाटन हो रहा है तो उद्घाटन किसके हाथों हो इसको लेकर राजनीतिक विवाद और उद्घाटन समारोह के बायकॉट का शंखनाद वैचारिक अदावत और अतिवाद की सारी सीमाएं तोड़ता दिखाई पड़ रहा है।

विपक्ष का सारा विरोध इस बात पर है कि नए संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं करना चाहिए बल्कि इसका उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा किया जाना ही संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप होगा. नए संसद भवन के विचार से ही विपक्षी विरोध की शुरुआत हुई थी जो उद्घाटन तक कायम है. विपक्षियों को राष्ट्रपति के मान-सम्मान से तो कोई लेना देना नहीं हो सकता क्योंकि अगर ऐसा होता तो बीजेपी की महिला और आदिवासी राष्ट्रपति प्रत्याशी का सभी विपक्षी दलों द्वारा समर्थन किया जाता. राष्ट्रपति के निर्वाचन में वर्तमान राष्ट्रपति के लिए जिस तरीके की बातें कही गई वह सब सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं. विपक्ष का विरोध शायद इस बात पर है कि आजादी के अमृतकाल में बन रही नई संसद का शिलान्यास और उद्घाटन का इतिहास नरेंद्र मोदी के नाम दर्ज हो जाएगा. मोदी विरोध जहां विपक्ष की राजनीति का आधार बन गया हो वहां इतिहास में मोदी के नाम की पट्टिका विपक्ष के सीने पर पत्थर जैसी लग रही है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट जिसके अंतर्गत नई संसद का निर्माण हो रहा है वह नरेंद्र मोदी की ही परिकल्पना कही जाएगी. राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्यपथ' करने का इतिहास भी प्रधानमंत्री ने ही रचा है. इंडिया गेट पर पहली बार सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण भी आजाद भारत में इतने लंबे समय बाद नरेंद्र मोदी के हाथों ही संभव हो सका है. गुलामी की मानसिकता और गुलामी के प्रतीकों को बदलने की योजना के अंतर्गत ही नया संसद भवन बनकर तैयार हुआ है. नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में ऐसे जितने भी गुलामी के प्रतीकों को बदला जा रहा है वह उन ताकतों को पसंद नहीं आ रहा है जो अब तक देश में शासन संचालन का नियंत्रण कर रहे थे. गुलामी के प्रतीक कुछ लोगों की आस्था के प्रतीक बन गए हैं. उन प्रतीकों को जो भी खंडित कर रहा है वह पुराने राजनीतिक कर्णधारों के वारिसों को पसंद कैसे आ सकता है?

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और संसद के संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य को लेकर उद्घाटन राष्ट्रपति से कराने के राजनीतिक बयानों का संवैधानिक रूप से उतना महत्व नहीं है लेकिन इसके राजनीतिक संदेश निश्चित रूप से हैं. लोकसभा के सेक्रेटरी जनरल की ओर से नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के आमंत्रण पत्र वितरित किए गए हैं. संसद भवन का प्रशासनिक नियंत्रण लोकसभा सचिवालय के पास ही होता है. इस दृष्टि से लोकसभा स्पीकर उद्घाटन समारोह के मेजबान कहे जाएंगे. किसी भी मेजबान को इस बात का अधिकार होता है कि वह कार्यक्रम का मुख्य अतिथि किसे आमंत्रित करे. इस बारे में किसी भी नियम कानून या संविधान के अंदर कार्यक्रम के आयोजन के लिए मुख्य अतिथि का कोई प्रोटोकॉल अभी तक तो निर्धारित नहीं है।

नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने वाले कांग्रेस समेत 19 विपक्षी दलों का कहना है कि उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा किया जाना चाहिए. राहुल गांधी भी इसी तरह की बात कह रहे हैं. राहुल गांधी ने कहा है कि संसद भवन ईंटों से नहीं संवैधानिक मूल्यों से बनता है. उन्होंने अहंकार की बात भी अपने ट्वीट में की है. आजादी के बाद नया संसद भवन भले ही पहली बार बन रहा हो लेकिन राज्यों में विधान सभाओं के नए भवन का निर्माण कई जगह हुआ है. इन राज्यों में विधानसभा भवनों का लोकार्पण किसी सुनिश्चित प्रोटोकाल के तहत नहीं किया गया है. कहीं-कहीं राष्ट्रपति तो कहीं राज्यपाल तो कुछ राज्यों में नई विधानसभा भवनों का लोकार्पण मुख्यमंत्रियों द्वारा भी किया गया है।

विधानसभा भवन के नामकरण को लेकर भी हर राज्य में अलग-अलग ढंग से काम किया गया है. किसी भी राज्य में किसी भी विधान भवन या संसद भवन का नामकरण किसी भी राष्ट्रपति के नाम करके राष्ट्रपतियों को सम्मान देने की परंपरा अब तक क्यों नहीं डाली गई इस बारे में भी कांग्रेसियों को बताना चाहिए।

मध्यप्रदेश में नए विधानसभा भवन का उद्घाटन तीन अगस्त 1996 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ शंकरदयाल शर्मा ने किया था. विधानसभा अध्यक्ष श्रीनिवास तिवारी थे. इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह थे. मध्यप्रदेश के नए विधान भवन के उद्घाटन समारोह में इस भवन के नामकरण को लेकर भारी विवाद हुआ था. सदन में बीजेपी के नेता प्रतिपक्ष विक्रम वर्मा ने नए विधान भवन का नामकरण इंदिरा गांधी के नाम से करने के प्रयासों का पुरजोर विरोध किया था. उन्होंने तो लगाई गई उद्घाटन पट्टिका को ही उखाड़ने की कोशिश की थी. कांग्रेस की सरकार और स्पीकर ने विधानसभा भवन का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रखने की जिद की थी. उस समय संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों का शायद कांग्रेस को स्मरण नहीं था।

मध्यप्रदेश के विधानसभा भवन का नाम आज भी इंदिरा गांधी विधान भवन चल रहा है. मध्यप्रदेश में 2003 के बाद से ही कमोबेश बीजेपी की सरकार काम कर रही है. किसी भी विधानसभा भवन का नाम किसी राजनीतिक दल के नेता के नाम से रखे जाना लोकतांत्रिक मूल्यों की अच्छी परंपरा तो नहीं कही जा सकती. जो कांग्रेस पार्टी बीजेपी को लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों का पाठ पढ़ाने की कोशिश कर रही है उसे शायद यह नहीं भूलना चाहिए कि एमपी की बीजेपी सरकार ने अभी तक विधानसभा भवन का नाम नहीं बदला है. अभी भी यह भवन इंदिरा विधान भवन के रूप में स्थापित है. इससे तो ऐसा लगता है कि बीजेपी लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति ज्यादा समर्पित है. कांग्रेस की परम्परा को देखते हुए तो वर्तमान सरकार अगर नए संसद भवन का नामकरण भी कर दे तो इसे परम्परा का पालन ही कहा जाएगा।

नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को नरेंद्र मोदी के हाथों होगा. कम से कम इतनी तो खुशी की बात है कि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल अपने विरोध में इस बात का अब ज़िक्र नहीं कर रहे हैं कि वीर सावरकर की जयंती पर नए संसद भवन का उद्घाटन क्यों किया जा रहा है? राहुल गांधी तो अभी तक हर मोर्चे पर यही बयान देते थे कि वे माफी नहीं मांगेंगे वे सावरकर नहीं है, गांधी कभी माफी नहीं मांगते. जब से कांग्रेस और राहुल गांधी को यह समझ आ गया कि सावरकर के खिलाफ उनका बयान विपक्षी एकता को तार-तार कर देगा तब से उन्होंने इस पर चुप्पी साध ली है।

सावरकर की जयंती पर नए संसद भवन का राष्ट्र को समर्पण भारत में नई वैचारिक धारा की पुनर्स्थापना है. विपक्षी विरोध के पीछे शायद यही सोच काम कर रही है कि इतने लंबे समय तक देश का शासन चलाने के बाद भी नया संसद भवन बनाने की परिकल्पना तक नहीं की जा सकी. नरेंद्र मोदी ने न केवल नए संसद भवन की परिकल्पना की बल्कि एक रिकॉर्ड समय में उसका निर्माण भी पूरा कराया. देश में बड़े-बड़े निर्माण के ऐसे इतिहास कम ही देखने को मिलते हैं, जब एक ही जननेता द्वारा शिलान्यास भी किया जाए उसी जननेता द्वारा उसका लोकार्पण भी किया जाए।

लोकतंत्र विचार से विचार को मात देने और संवाद से सरकार संचालन की व्यवस्था है. नए भवन के उद्घाटन समारोह के विरोध की राजनीति विरोध का अतिवाद मानी जाएगी. आज भले ही प्रधानमंत्री के रूप में कोई भी उसका उद्घाटन कर रहा हो लेकिन संसद भवन सदियों के लिए इस देश की धरोहर है. राजनीति कोई भी हो लेकिन देश की धरोहर के विरोध की राजनीति कतई स्वीकार नहीं की जा सकती।

सरकार की ओर से विपक्षी दलों से आग्रह किया जाना चाहिए कि इस ऐतिहासिक अवसर पर लोकतंत्र के स्वस्थ और सशक्त स्वरूप का दिग्दर्शन दुनिया को कराने के लिए सब एक साथ आएं. सरकार को अपने प्रयास में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहिए. संसद भवन के उद्घाटन अवसर पर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि सार्वजनिक की जा रही है. जब आजादी के समय सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वीकार किए गए राजदंड सिंगोल को संसद में लोकसभा स्पीकर के चेयर के साथ प्रदर्शित किया जाएगा. राजदंड को निष्पक्ष न्याय का प्रतीक माना जाता है. अभी तक इसे संग्रहालय में रखा गया था. यह पहली बार होगा कि इसे संसद भवन में अध्यक्ष के साथ स्थापित किया जा रहा है. गुलामी से मुक्त भारत के स्वदेशी प्रतीकों में इस प्रतीक का ऐतिहासिक महत्व है।

देश की संसद सियासत का अखाड़ा बनती जा रही है. संसद संवाद और विचार विमर्श से ज्यादा बंद रहने का रिकॉर्ड बनाती रही है. नया संसद भवन संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए नए आदर्श स्थापित करे ऐसी लोककामना है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbp167@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सिख समाज के पांचवें गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी पर्व मनाया

ओबेदुल्लागंज। 24 मई बुथवार को नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में सिख समुदाय के पांचवें गुरू अर्जुन देव जी का शहीदी पर्व बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया , शहीदी पर्व का कार्यक्रम का आयोजन संत संतोख सिंह गुरुद्वारा अर्जुन नगर की ओर से किया गया था । सर्व प्रथम श्रीसुखमणी साहिब का पाठ , शबद कीर्तन , कथाकार जगजीत सिंह (जीतै भैया) ने गुरूजी कै शहीदी पर प्रकाश डाला , उन्होंने कहां कि गुरु अर्जुन देव जी ने धर्म एवं देश कै लिए एक अनौखीं शहादत देकर हमै जीना सिखाया , गुरू घर के वजीर भगवान सिंह द्धारा अरदास कर , प्रसाद वितरण किया गया , इस अवसर पर ठंडा शरबत , चनै का प्रसाद वितरण भी किया गया , इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरजीत सिंह बिल्ले , बिट्टू ओबराय , लखविंदर सिंह लक्की , भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता जेपी शर्मा, हरपाल सिंह राजपूत , लक्ष्मण सिंह नायक , ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र राजू , हरदीप आदि समाज सेवी बंधूजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे ।

एक अनावेदक को जिला बदर करने के आदेश जारी

खण्डवा । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अनूप कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर एक अनावेदक को जिला बदर करने का आंदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार अनावेदक निक्की पिता विजय निवासी बसोड मोहल्ला खालवा को एक वर्ष की अवधि के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए है। इस अवधि में यह जिला बदर अनावेदक खण्डवा जिले के साथ साथ बुरहानपुर, खरगोन, देवास, बैतूल, हरदा एवं इंदौर जिले की सीमा में प्रवेश नही कर सकेगा।

आपदा में अपनों के साथ खड़े हुए डॉ देवेंद्र धाकड, गृहस्ती का सामान देकर पीड़ित परिवार की मदद की ?

बरेली 7 उदयपुरा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम नरहरा में मंगलवार रात्रि में गोवर्धन लोधी के घर में अचानक आग लग गई जिससे घर में रखा सामान आग में जलकर पूरी तरह खाक हो गया घटना की सूचना लगते ही समाजसेवी डॉ देवेंद्र सिंह धाकड़ संकट की इस घड़ी में रूके नहीं और पीड़ित परिवार की मदद करने पहुंच गए पीड़ित परिवार जनों को सांत्वना दी और ग्रहस्थि का सामान,गैस चूल्हा,नगद राशि और राशन की व्यवस्था कराई डॉ देवेंद्र धाकड़ ने कहा पीड़ित परिवार का घर गृहस्ती का पूरा सामान जल गया ईश्वर की कृपा से कोई जनहानी नही हुई परिवार जनो से साथियों के साथ मिलकर परिवार को सांत्वना स्वरूप ग्रहस्थि को पुनःव्यवस्थित करने में सहयोग किया संकट की इस घड़ी में हम सभी साथ हैं शासन प्रशासन स्तर से जो भी मदद मिलेगी वह भी पीड़ित परिवार को दिलाएंगे इस बीच उदयपुरा के पंचायत संघ के अध्यक्ष हेमराज चौहान,खटिक,नरेंद्र पटेल,सरपंच भल्लु लोधी,संजय बड्डकुर आदि समाजसेवियों ने सहयोग किया 7

जारी निर्माण कार्यों पर केंद्रित रहें और कोशिश रहे कि वर्षा से पहले कार्य पूर्ण हो जाएः कलेक्टर

धार । मुख्यमंत्री जी द्वारा किए गए भूमिपूजन के निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ करें। इसके साथ ही जारी निर्माण कार्यों पर केंद्रित रहें और कोशिश रहे कि वर्षा से पहले कार्य पूर्ण हो जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के दौरान सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के संतुष्टिपूर्वक निराकृत करें। सभी एसडीएम राजस्व प्रकरणों के निराकरण में और प्रगति लाएँ। उन्होंने सरदारपुर एसडीएम को अपने अनुभाग में शिविर लगाकर लंबित मामले निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए की जिले में मिशन लाइफ के अंतर्गत गतिविधयाँ जारी रखें।

नाबालिग लड़की ने की आत्महत्या

छतरपुर। थाना ओरछा रोड अंतर्गत ग्राम भगवंतपुरा में एक नाबालिग द्वारा फांसी लगाए जाने का मामला सामने आया है। नाबालिग ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना ओरछा रोड क्षेत्र के ग्राम भगवंतपुरा निवासी कु. सोनू बरार उम्र 17 वर्ष पुत्री कोमल बरार ने घर में रात 9 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतिका के पिता कोमल ने बताया कि घर में शादी समारोह के चलते वे लोग बाजार करने गए थे जब रात को घर लौटे तो पता चला कि उसकी पुत्री ने फांसी लगा ली है। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सुबह मृतिका का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

12 सूत्रीय बिंदुओं को वचन पत्र में शामिल किया जाएः धोटे

जिला पिछड़ा वर्ग कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को सौंपा सुझाव पत्र

बैतूल। मप्र कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग की बैठक पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह यादव, प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष पवन पटेल के आतिथ्य में और संगठन के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक सिद्धार्थ कुशवाह की अध्यक्षता में पीसीसी कार्यालय भोपाल में संपन्न हुई। बैठक में ओबीसी विभाग के बैतूल जिला अध्यक्ष नारायण धोटे के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने शिरकत की। इस मौके पर नारायण धोटे ने आगामी विधानसभा को देखते हुए कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को ओबीसी उत्थान के लिए 12 सूत्रीय सुझावों को वचन पत्र में शामिल करने का आग्रह किया। बैठक में प्रदेश प्रतिनिधि राजेन्द्र महाले, महामंत्री सुखदेव घानेकर, दिनेश महाले, उमाकांत वर्मा, डॉ.सुनील वर्मा, विरेन्द्र आर्य, सुखदेव नारे, आशीष परसाई सहित बड़ी संख्या में जिले से पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए।

दिया सुझाव, वचन पत्र में इन बिंदुओं को किया जाए शामिल जिला कांग्रेस कमेटी के जिला मीडिया प्रभारी योगेश गुप्ता ने बताया कि बैठक में वचन पत्र ओबीसी के हितार्थ 12 सूत्रीय सुझाव दिए गए जिसमें ओबीसी को उचित

प्रतिनिधित्व देने जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी, पंचायत और निकाय चुनावों में 27 प्रतिशत आरक्षण, तमिलनाडु के 69 प्रतिशत आरक्षण की तरह केन्द्र सरकार को भेजकर भारत के संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कर संविधानिक सुरक्षा प्रदान कर न्यायालयीन हस्तक्षेप से बचाया जाएगा, पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति एवं फीस माफी योजना की पात्रता की वर्तमान आय सीमा 8 लाख रूपये वार्षिक की जाएगी, ओबीसी क्रीमीलेयर की आय सीमा 15 लाख रूपए वार्षिक किया जाएगा। प्रत्येक विकास खण्ड में एक-एक पिछड़ा वर्ग छात्रावास स्थापित किया जाएगा, प्रत्येक जिले में एक-एक पिछड़ा वर्ग आवासीय विद्यालय स्थापित किया जाएगा, जिला स्तर की भर्तियों में प्रदेश के जिन 30 जिलों में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का मिलाकर कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से कम है उन जिलों में ओबीसी का आरक्षण 14 प्रतिशत से 50 प्रतिशत की सीमा तक बढ़ाया जाएगा। नॉन क्रीमीलेयर जाति प्रमाण पत्र देते समय तहसीलों में कर्मचारियों की क्रीमीलेयर जांच वेतन की आय के स्थान पर नियमानुसार पद की श्रेणी से कराई जाएगी। जिससे प्रदेश के ओबीसी उम्मीदवारों को केन्द्रीय नौकरियों व प्रवेश के आरक्षण प्राप्ति में नुकसान न हो। क्रीमीलेयर का बंधन हटाने भारत सरकार से आग्रह किया जाए, 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा, पदोन्नति में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

भीषण गर्मी का प्रकोप पारा लगातार 40 के पार

छतरपुर। छतरपुर जिले में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। पारा लगातार 40 के ऊपर बना हुआ है। पिछले एक सप्ताह में तो तापमान 44 और 45 के आसपास रहा। दिन में चल रहीं गर्म पश्चिमी हवाओं के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। आलम ये है कि अब दिन के साथ-साथ शाम के वक्त और रात को भी भीषण गर्मी लोगों को सता रही है। पिछले एक सप्ताह में रात का तापमान भी काफी ऊपर तक चढ़ा जिसके कारण रात के समय लोगों को भीषण गर्मी का शिकार होना पड़ रहा है।

मौसम विभाग में पदस्थ आरएस परिहार के मुताबिक सूरज डूबने के बाद भी पारा 40 से 41

डिग्री के आसपास बना रहता है। रात करीब 9 बजे के बाद मौसम में कुछ ठण्डक आती है लेकिन फिर भी आम दिनों के मुकाबले रात का तापमान भी लगभग 5 से 10 डिग्री बढ़ गया है। पिछले एक सप्ताह में रात के तापमान में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है जिसके कारण आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

एक सप्ताह में इस तरह बढ़ा रात का तापमान

दिनांक	तापमान
18 मई	25.0
19 मई	25.2
20 मई	23.0
21 मई	24.0
22 मई	25.6
23 मई	27.0
24 मई	27.6

रात को गर्मी बढ़ी इसलिए बिजली व्यवस्था धराशायी

पिछले एक सप्ताह से रात को बढ़ी गर्मी के चलते विद्युत उपकरणों का उपयोग बढ़ गया है। रात के समय कूलर और एयर कंडीशनर के उपयोग में हुए इजाफे के चलते बिजली विभाग की व्यवस्थाएं भी धराशायी होने लगी हैं। वार्डों में लगातार बढ़ रहे विद्युत उपकरणों के लोड के चलते ट्रांसफार्मर खराब हो रहे हैं, कई जगह केबिल में आग लगने की घटनाएं, ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं सामने आ रही हैं। बीते रोज छतरपुर के सौंरा रोड पावर स्टेशन से कई बार बिजली गुल हुई। जिसके कारण जनता परेशान होती रही। इसी तरह शहर के चौक बाजार, गल्लामण्डी, हटवारा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे लोड के चलते वोल्टेज की समस्या बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन समाधान ऑनलाइन की समीक्षा की

छतरपुर,। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सीएम हेल्पलाइन के अप्रैल माह के समाधान ऑनलाइन में चयनित शिकायती प्रकरणों की समीक्षा की। एनआईसी कक्ष कलेक्ट्रेट छतरपुर से आईजी रैंज सागर प्रमोद वर्मा, कलेक्टर संदीप जी.आर. एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अप्रैल माह की समाधान ऑनलाइन में छतरपुर जिले के शिक्षा विभाग से संबंधित सुरेन्द्र कुमार पटेल द्वारा पुत्री कु. ममता देवी पटेल शासकीय प्राथमिक शाला बक्टौरा गौरिहार की छात्रा जिनकी कक्षा 5 और 8 वीं की अंकसूची में जन्मतिथि सुधार कराने शिकायत की गई थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान को शिकायतकर्ता ने बताया कि अंकसूची में जन्मतिथि में सुधार हो गया है। शिकायत के निराकरण में देरी होने का कारण विभाग के संशोधन पोर्टल बंद होना पाया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शिक्षा विभाग भोपाल को पूरे वर्ष पोर्टल चालू रखने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के दूसरे चरण अंतर्गत लंबित पनाधिकार पट्टों को निपटाएं। साथ ही उपार्जन की राशि किसानों के खाते में अविलंब पहुंचे एवं सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण संतुष्टि से किया जाए।

कड़ी मेहनत और लगन से छोटे से गांव के युवा का यूपीएससी में चयन

दमोह। हो अगर हौसला, राहे कठिन कितनी भी हो, परिश्रम से मुसाफिर मंजिल पा ही लेता है। जिले के बटियागढ़ ब्लॉक के एक छोटे से गांव बेली के नौजवान ने वह कर दिखाया जो हर युवा का सपना होता है। बटियागढ़ ब्लॉक के ग्राम बेली के शिक्षक के बेटे 27 वर्षीय अनुभव जैन ने अपनी लगन और मेहनत के दम पर देश के सबसे कठिन कहे जाने वाले यूपीएससी सिविल सर्विसेज परीक्षा मैं सफलता हासिल की है। हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी सिविल सर्विसेज परीक्षा 2022 के परिणामों में अनुभव जैन ने देश में 450वी रैंक हासिल है। जैसे ही संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम घोषित हुए एवं अनुभव का स्थान 485 वे नंबर पर देख कर उनके गांव में जश्न सा माहौल निर्मित हो गया। माता पिता सहित अन्य रिश्तेदारों द्वारा अनुभव को बधाइयां देने का क्रम शुरू हो गया। बेटे की सफलता की खबर सुनकर माता अर्चना जैन एवं पिता महेंद्र जैन की खुशी का पार नहीं रहा। एक छोटे से गांव से निकलकर आज अनुभव एक बड़े अफसर बनने जा रहे है। अनुभव के पिता प्राइमरी टीचर है। अनुभव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता सहित पूरे परिवार को दिया। माता पिता एवं दादा दादी के आशीर्वाद से ही मुझे ये सफलता मिली ऐसा अनुभव कहते है।

अनुभव की प्राथमिक शिक्षा हटा नगर के महावीर मंदिर में हुई। इसके बाद वे कुछ समय नागपुर में रहे एवं हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी की परीक्षा एक्सीलेंस स्कूल हटा से उत्तीर्ण करने के बाद इंजीनियरिंग में रुचि रखने वाले अनुभव अपनी आगे की पढ़ाई के लिए मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़ उत्तर प्रदेश चले गए जहां से उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स में बीटेक किया। अपनी कॉलेज लाइफ के दौरान उन्हें यूपीएससी की जानकारी मिलती रही एवं उन्होंने इसी बीच तैयारी शुरू कर दी। इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष में उन्होंने नौकरी ना कर सिविल सर्विसेज की तैयारी करने का निर्णय लिया। अनुभव का यह सातवां अटेम्प्ट था एवं दूसरी बार इंटरव्यू दिया जिसमें सफलता मिल गई। सिविल सेवा 2022 के परिणामों में उनकी रैंक 485 रही है जिससे उनको आईपीएस आईआरएस मिलने का अनुमान है। उन्होंने इंडियन फॉरेस्ट सर्विस का भी एग्जाम दिया था जिसका इंटरव्यू होना है। अनुभव कहते हैं की यदि लक्ष्य बना लिया जाए तो फिर पीछे नहीं हटना चाहिए।

धूमधाम से मनाया गया पाटोत्सव महामहोत्सव श्री गौर राधारमण मंदिर में भक्त आरती में हुए शामिल, संस्कार भवन में हुआ विशाल भंडारा

दमोह श्री गौर राधारमण जू असाटी वार्ड दमोह का शुभ पाटोत्सव महा महोत्सव 22 मई से 24 मई तक श्री गौर राधा रमण मंदिर में मंदिर प्रतिष्ठाता श्री बिरही जी महाराज के कृपा पात्र नित्य लीला प्रतिष्ठित श्री श्री 108 श्री चक्रधर प्रसाद शास्त्री जी महाराज के प्रिय शिष्य वर्तमान आचार्य श्री हरे कृष्ण दास ब्रह्मचारी जी महाराज की पावन सानिध्य में बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया गया. जिसमें बुधवार प्रातः 5 बजे मंगल आरती के पश्चात श्री हरि नाम संकीर्तन एवं रात्रि 7-30 से 9-30 बजे तक भजन संकीर्तन एवं धर्म प्रवचन हुए एवं पुनः प्रातः 7-00 से एक विशाल हरि नाम संकीर्तन शोभायात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गो से भ्रमण करते हुए श्री मंदिर में ही समाप्त हुई. शोभायात्रा में सागर, भोपाल, खुरई, बीना, कोटा, नरयावली, बंडा, बनगांव, गैसाबाद, हिनौता, छतरपुर आदि अनेक शहरों एवं ग्रामीण अंचलों से भक्त संकीर्तन में सम्मिलित हुए. शोभायात्रा में जगह-जगह श्री ठाकुर जी की आरती एवं फूल माला प्रसाद आदि से पूजन किया गया.रात्रि के प्रवचन में श्री हरे कृष्ण दास ब्रह्मचारी जी महाराज ने श्री विग्रह प्रतिष्ठा का महत्व बताया और कहा कि संत द्वारा प्रतिष्ठित श्री विग्रह सेवा साक्षात भगवान की सेवा है. भगवान विग्रह रूप से आपकी हर सेवा को ग्रहण करते हैं. आपने भक्तमाल एवं शास्त्रों के प्रमाण देकर कहा कि श्री विग्रह मात्र पत्थर लकड़ी धातु नहीं वरन साक्षात श्रीहरि हैं जो भक्त के अधीन रहकर सभी सेवा ग्रहण करते हैं मूर्ति बोलती, चलती खाती पीती आदि क्रियाएं भक्तों के साथ करती है. भगवान भाव ग्राही हैं भक्तों के भाव के अनुसार भगवान की प्राप्ति होती है, हमें सदुरु का साथ नहीं उनकी वाणी में विश्वास नहीं है. हदय में भाव नहीं इसलिए हम अपनी जड़ इंद्रियों द्वारा भगवान की दिव्यता चिन्मयता अनुभूति नहीं कर पाते यथार्थ में हम भगवान को नहीं चाहते भगवान से चाहते हैं. इसलिए भगवान भी हमें जड़ पदार्थो को प्रदान कर हमें अपनी विशुद्ध भक्ति सेवा से दूर कर देते हैं आपने कहा कि यह युग कलयुग है इसमें पापाचार दुराचार व्यभिचार अनाचार आदि दोष है. इसमें सभी मानव समाज लिप्त है यदि हम चाहे कि कलयुग के दोषों से बचकर मानव जीवन को सार्थक बनाने तो निष्कपट भाव से श्री चैतन्य महाप्रभु के विग्रह भक्ति का चरणाश्रय ग्रहण कर उनके उसके उपदेश अनुसार अपने जीवन को चलाते हुए युगधर्म श्री हरि नाम संकीर्तन का आश्रय ग्रहण करें.

श्री हरि नाम के सिवा अन्य साधन इस युग में भगवत प्राप्ति नहीं करा सकते. इधर राधा रमण मंदिर में पुजारी श्री शिव दुबे जी ने बताया कि 24 मई 2023 दिन बुधवार को ठाकुर जी का भव्य अभिषेक पूजन अर्चन किया गया. तत्पश्चात महा आरती की गई।

आवेदन आमंत्रित

खण्डवा। संचालनालय, खेल और युवा कल्याण विभाग म.प्र. 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च, 2023 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता जिले के प्रतिभावन खिलाड़ियों से वर्ष 2023 की राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को राशि 10 हजार रूपये, रजत पदक विजेता खिलाड़ी को राशि 8 हजार रूपये एवं कास्य पदक विजेता खिलाड़ी को राशि 6 हजार रूपये खेलवृत्ति राशि प्रदान करने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 की खेलवृत्ति हेतु आवेदन 31 मई, 2023 तक स्वीकार किए जा सकेंगे। खेलवृत्ति हेतु आवेदन संबंधित जिले के कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी से प्राप्त कर सकते है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् छतरपुर (म.प्र.)

क्रमांक / 4104 / लो.नि.शा./ न.पा.छ./ 2023 छतरपुर, दिनांकः 04.05.2023

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निनिदा का विस्तृत www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1. 1	2. 278171 23.05.2023	3. वार्ड क्रमांक 10 में विभिन्न स्थानों पर सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	4 1. (12माह) 2. रू. 4,66,052	5 1.रू.2000 2. रू. 4,661	6 09.06.2023
2	278172 25.05.2023	वार्ड क्रमांक 11 में विभिन्न स्थानों पर सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	1.(12 माह) 2. रू. 9,29,732	1.रू.2000 2. रू. 9,297	09.06.2023
3	278173 25.05.2023	वार्ड क्रमांक 17 में विभिन्न स्थानों पर आर. सी. सी. नाली निर्माण कार्य	1 (12 माह) 2. रू. 9,41,865	1.रू.2000 2. रू. 9,419	09.06.2023
4	278174 25.05.2023	वार्ड क्रमांक 21 में विभिन्न स्थानो पर आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	1.(12माह) 2. रू. 7,28,649	1. रू.2000 2. रू. 7,286	09.06.2023

नोट निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https:mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् छतरपुर

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने दिए सख्त निर्देश, मूंग पंजीयन कराने में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो

गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी, खाद और राशन का सुचारू रूप से वितरण कराएं

नर्मदापुरम कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बुधवार को सिवनीमालवा और इटारसी में मूंग पंजीयन केंद्रों और राशन दुकानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्रो पर पंजीयन की स्थिति, खाद का भंडारण एवं वितरण तथा मुख्यमंत्री किसान ब्याज माफी योजना में प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र पर उपस्थित किसानों से भी चर्चा कर मूंग पंजीयन में किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं गई इसकी जानकारी ली।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी समिति प्रबंधकों और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि मूंग पंजीयन में किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो। अगले 2 दिनों में पंजीयन में गति लाएं गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। मूंग पंजीयन के अंतिम तिथि 31 मई तक सभी पात्र किसानों का पंजीयन किया

जाना सुनिश्चित कराएं। निरीक्षण के दौरान किसानों द्वारा बताया गया कि ग्राम झलाए और खपरिया में गिरदावरी संबंधी समस्या के कारण मूंग पंजीयन में समस्या आ रही है जिस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को उक्त ग्रामों की समस्या के शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि समितियों से किसानों से खाद का सुचारू रूप से वितरण किया जाए। खाद वितरण में भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किसान ब्याज माफी योजना मैं प्राप्त सभी आवेदनों को ऑनलाइन कराया जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय उचित मूल्य दुकान चौथलाय का भी निरीक्षण कर यहां राशन वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए हितग्राहियों को राशन का भी व्यवस्थित ढंग से वितरण कराया जाए। उन्होंने मौके पर उपस्थित हितग्राही श्री मोहन और उनके परिवार से भी चर्चा कर राशन वितरण की जानकारी ली। श्री मोहन की बेटी ने बताया कि उन्हें प्रतिमाह राशन प्राप्त हो रहा हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने इस दौरान पीओएस मशीन की भी जांच कर राशन प्रदाय रसीद और पात्रता पर्ची का मिलान किया।

इन केंद्रों का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्री सिंह ने सिवनीमालवा में सेवा सहकारी समिति बघवाड़ा, समिति खपरिया, सेवा सहकारी समिति चौथलाए, सेवा सहकारी समिति खपरिया एवं इटारसी में ग्राम जमानी , ग्राम गौचीतरोंदा आदि केंदो का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्रो पर मौजूद किसान मनोहरी लाल काकोडिया, श्री महालाह, श्री मनोज लोवंशी , श्री प्रजापति से भी चर्चा कर उनके मुंह पंजीयन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने ग्राम गौचीतरोंदा में मूंग पंजीयन एवं खाद्य वितरण में कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समिति प्रबंधक गौची तारोंदा को प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने उप स्वास्थ्य केंद्र गौची तारोंदा का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि जे आर हेडाऊ, सीईओ जिला सहकारी बैंक आर एस भदौरिया, उपायुक्त सहकारिता श्री शिवम मिश्रा, तहसीलदार इटारसी भी उपस्थित रहें।

कार्यालय नगर पालिका परिषद खरगोन जिला, खरगोन म.प्र.

निविदा सूचना क्रमांक/27/MCK/5937/ई-टेंडर /2013 खरगोन, दिनांकः 24.05.2023

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत सप्लायर/फर्म/ठेकेदारों / एजेंसी से निम्नांकित कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं । उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

अ. क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2023_UAD_ 278611_1 Date 24-05-23	निकाय क्षेत्रान्तर्गत शहर के विभिन्न मार्गो / चौराहों एवं पार्को में सुरक्षा की दृष्टि से सी.सी.टी.व्ही. कैमरे लगाया जाना ।	वित्तीय वर्ष 2023-24 लागत 50.00 लाख	5000/- 37500/-	23.06.23

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

(छाया जोशी)	(भोलू कर्मा)	(चन्द्रपालसिंह तोमर)	(प्रियंका पटेल)
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सभापति,	मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद	लो. नि. आवास एवं पर्यावरण विभाग	नगर पालिका परिषद
खरगोन	खरगोन	नगर पालिका परिषद, खरगोन	खरगोन

डॉ. कृष्णा सक्सेना द्वारा लिखित पुस्तक 'गॉड इज लव' का लोकार्पण

इंदौर, एजेंसी। कैबिनेट मंत्री जनरल वी.के. सिंह ने अंग्रेजी की वरिष्ठ लेखिका डॉ. कृष्णा सक्सेना की सद्यः प्रकाशित पुस्तक 'गॉड इज लव' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जनरल वी.के. सिंह ने कहा कि यह पुस्तक हमें भगवान से रूबरू करवाती है। उन्होंने कहा कि पुस्तक हमें परस्पर प्रेम और सद्भाव का मार्ग प्रशस्त करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि डॉ. सक्सेना 94 वर्ष की अवस्था में पुस्तक लिखकर हम सभी को प्रेरणा दे रही हैं। आज के युवा वर्ग को इनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। जनरल सिंह ने कहा कि इस पुस्तक ने उन्हें बहुत प्रेरणा दी है। श्रीमती सक्सेना ने कहा कि यह पुस्तक उन्होंने बीमारी के समय लिखी। माँ भगवती की कृपा से वो रुकी नहीं और बिना रुके पुस्तक पूरी की। उन्होंने आगे कहा कि युवा पीढ़ी को मोबाइल व टी.वी. कम करके पुस्तकें लिखनी चाहिए। श्रीमती कृष्णा सक्सेना ने मीडिया से सीधी बातचीत भी की। धन्यवाद ज्ञापन प्रकाशक श्री प्रभात कुमार ने किया। कार्यक्रम में श्रीमती रेनू, श्रीमती मंगला व श्रीमती भारती सिंह ने सहभागिता की। प्रकाशक प्रभात कुमार व पीयूष कुमार भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्मक्रम का संचालन श्रीमती पूजा ने किया।

एचडीएफसी बैंक ने स्पेशल रिक्रूटमेंट प्रोग्राम के तहत नई भर्तियों की शुरुआत की

मुंबई, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक, भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक ने, फ्यूचर बैंकर्स 2.0 प्रोग्राम को लॉन्च किया है, जो युवा ग्रेजुएट्स को एक वर्ष* के भीतर बैंकिंग प्रोफेशनल्स में बदलने के लिए एक ऑल इंडिया भर्ती कार्यक्रम है। मणिपाल ग्लोबल एकेडमी ऑफ बीएफएसआई के सहयोग से पेश किया जाने वाला,फ्यूचर बैंकर्स 2.0 एक साल का प्रोफेशनल डिप्लोमा है, जिसका उद्देश्य एचडीएफसी बैंक के रिटेल बैंकिंग बिजनेस - जो बैंक के लिए एक प्रमुख क्षेत्र है - के मजबूत भविष्य के लिए टेलेंट पाइपलाइन तैयार करना है। फ्यूचर बैंकर्स 2.0 क्लासरूम सेशन, गेस्ट लेख्र, ग्रुप डिस्कशन, रोल प्ले और फील्ड वर्क का एक दिलचस्प, रोमांचक मिक्स पेश करता है। इसके अलावा, यह प्रोग्राम बैंकिंग प्रोडक्ट्स, प्रोसेसेज, कम्पलाएंस फ्रेमवर्क और रोजमर्रा की बैंकिंग संचालन में स्टूडेंट्स की ग्राउंडिंग को और मजबूत करने के लिए देश के भीतर एचडीएफसी बैंक की शाखा स्थानों पर आठ महीने की पेड इंटर्नशिप और ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग प्रदान करता है। कोर्स को सफलता से पूरा करने के बाद यंग स्टूडेंट्स को मणिपाल ग्लोबल एकेडमी ऑफ बीएफएसआई से सेल्स एंड रिलेशनशिप बैंकिंग में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा और एचडीएफसी बैंक के साथ डिप्टी मैनेजर के ग्रेड पर एक पर्सनल बैंकर के रूप में एक सुनिश्चित नौकरी का अवसर मिलेगा। सभी सफल उम्मीदवारों को रु.5.59 लाख* तक वार्षिक सीटीसी की पेशकश की जाएगी। विनय राज़दान, प्रमुख, मानव संसाधन अधिकारी, एचडीएफसी बैंक ने कहा,÷फ्यूचर बैंकर्स 2.0 पोस्ट ग्रेजुएट्स को प्रमाणित ग्रेट प्लेस टू वर्क पर अपना करियर शुरू करने का एक सुनहरा अवसर देता है। नयी भर्तियों को एक बैंकिंग इंडस्ट्री के लीडर के साथ काम करने पर एम्प्लाइज को सर्वश्रेष्ठ लोगों के काम करने के तौर तरीकों को श्रेष्ठता से सीखने का मौका मिलेगा। फ्यूचर बैंकर्स 2.0 के तहत, स्टूडेंट्स को प्रतिस्पर्धी वेतनमान पर नौकरी पर प्रेक्टिकल ट्रेनिंग प्राप्त करने और सीखने के दौरान कमाई का एक अविश्वसनीय अवसर मिलेगा। एचडीएफसी बैंक कल के जिम्मेदार बैंकरों में नई भर्तियों को सलाह देने के लिए भावनात्मक रूप से निवेशित है। हम क्षमता और प्रदर्शन को पुरस्कृत करते हैं और सभी को समान अवसर देते हैं। मणिपाल ग्लोबल एकेडमी ऑफ बीएफएसआई के साथ हमारा निरंतर जुड़ाव संस्थान द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता और फ्यूचर बैंकर्स की सफलता का प्रमाण है।

क्या सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो कथा अनकही में प्यार को दूसरा मौका देगी कथा?

मुंबई , एजेंसी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो कथा अनकही में पछतावे से जन्मी एक प्रेम कहानी ने दर्शकों के दिलों दिमाग पर गहरी छाप छोड़ दी है। अदनान खान और अदिति देव शर्मा अभिनीत इस कहानी में विआन और कथा ज़िंदगी की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। किसी भी आम टीवी हीरो से अलग विआन का किरदार दर्शकों ने बहुत पसंद किया है, जिसे अपने जज़्बात ज़ाहिर करने के लिए सराहा गया है, जिसमें वो कथा को यह विश्वास दिलाने की कोशिश करता है कि उसे बदले में कुछ नहीं चाहिए। लेकिन दर्शकों की कथा के प्रति भी सहानुभूति है जो इस बात को लेकर बड़ा सख्त रवैया रखती है कि उसकी ज़िंदगी में प्यार या किसी आदमी के लिए कोई जगह नहीं है। उसकी ज़िंदगी सिर्फ अपने बेटे आरव और अपनी सलामती के इर्द-गिर्द घूमती है।इस स्थिति पर रोशनी डालते हुए अदिति देव शर्मा जो कथा का रोल निभा रही हैं, बताती हैं, ÷एक मां के तौर पर में कथा की स्थिति अच्छी तरह समझती हूं। अपने बेटे आरव की खुशी और सलामती उसकी प्राथमिकता है। वो नहीं चाहती कि आरव यह सोचे कि कोई और उसके पिता की जगह ले रहा है क्योंकि ज्यादातर बच्चे अपने परिवार में किसी तीसरे शख्स की मौजूदगी नहीं चाहते। दूसरी ओर, जहां तक विआन से उसके रिश्तों की बात है तो वो विआन के कई पहलुओं को समझ चुकी है। वो देख सकती है कि विआन खुद को उसके सामने लायक साबित करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसके जज़्बातों से वाकिफ होने के बाद वो सिर्फ दोस्ती तक ही सीमित रहती है।

टाटा एआईए लाइफ फार्च्यून गारंटी पेंशन में प्रभावकारी अपग्रेड

मुंबई, एजेंसी। भारत की एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स (टाटा एआईए लाइफ) ने अपने प्रमुख एन्युटी (जीवन भर तक गारंटीड इनकम) प्लान, टाटा एआईए लाइफ फॉर्च्यून गारंटी पेंशन का और भी प्रभावकारी वर्ज़न प्रस्तुत किया है। इस नए वर्ज़न में अधिक ज़्यादा एन्युटी दर और डेथ बेनिफिट्स जैसे कुछ महत्वपूर्ण सुधारों को शामिल किया गया है। इस योजना के लाभ लेकर ग्राहक सेवानिवृत्त होने के बाद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और चिंतामुक्त होकर अपनी ज़िन्दगी के सुनहरे पलों का आनंद ले सकेंगे।टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स के मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री. समित उपाध्याय ने कहा, ÷सेवानिवृत्ति व्यक्ति के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। नौकरी की जिम्मेदारियों की चिंता करने के बजाय खुद पर ध्यान केंद्रित करने का यह सबसे अच्छा समय होता है। हर व्यक्ति चाहता है कि सेवानिवृत्ति के बाद व्यक्ति को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहिए ताकि उनकी जीवनशैली उनके पास मौजूद धन पर निर्भर नहीं रहेगी। सेवानिवृत्ति के बाद आप अपने सभी खर्च आसानी से कर पाएं इसके लिए टाटा एआईए लाइफ फॉर्च्यून गारंटी पेंशन योजना सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय आत्मनिर्भरता पाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक उत्कृष्ट वित्तीय उपकरण है, इस योजना में नियमित गारंटीकृत आय मिलती है।

ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर रोक लगाना मेरे हाथ में नहीं

आरबीआई के गवर्नर ने कहा- महंगाई पर लापरवाही की जगह नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि आईएमएफ के अप्रैल 2023 के विश्व आर्थिक आउटलुक में वैश्विक विकास 2023 में घटकर 2.8 फीसदी होने का अनुमान लगाया गया है। 2022 में 3.4 फीसदी वैश्विक विकास का अनुमान लगाया गया था। उन्होंने कहा कि 2024 में फिर से तीन फीसदी की वृद्धि रहेगी। दास ने कहा, आर्थिक मंदी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रित है। हालांकि, 2023 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लगभग 70 फीसदी योगदान देने की उम्मीद है। इन्हीं अनुमानों के मुताबिक भारत चालू वित्त वर्ष में वैश्विक वृद्धि में करीब 15 फीसदी का योगदान देगा।

उन्होंने कहा, लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक संघर्ष, विभिन्न देशों से बढ़ते मुद्रास्फीति के दबाव और दुनिया भर के प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक नीति को सख्त करने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को सख्त वित्तीय स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। आईएमएफ के अप्रैल 2023 के विश्व आर्थिक आउटलुक में वैश्विक विकास 2022 में 3.4 फीसदी से घटकर 2023 में 2.8 फीसदी हो जाएगा, जो 2024 में फिर से बढ़कर 3 फीसदी हो जाएगा।

ब्याज दर में वृद्धि को रोकना मेरे हाथ में नहीं- आरबीआई गवर्नर ने आगे भी ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि ब्याज दर में वृद्धि को रोकना मेरे हाथ में नहीं है। यह परिस्थिति पर निर्भर करेगा। दास ने आगे कहा, खुदरा मुद्रास्फीति के अगले आंकड़े में महंगाई दर के घटकर 4.7 फीसदी से नीचे आने की उम्मीद है।

महंगाई कम हुई, कोताही की कोई गुंजाइश नहीं- उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि मुद्रास्फीति नीचे आई है, लेकिन लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा कि अर्थव्यवस्था की उत्पादकता जरूरतों को पूरा करने के लिए आरबीआई पर्याप्त लिक्विडिटी सुनिश्चित करेगा।

दास ने बैंकिंग सिस्टम पर भरोसा जताते हुए कहा कि लिक्विडिटी और कैपिटल की मजबूत स्थिति और संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार के साथ भारत का बैंकिंग सिस्टम स्थिर और मजबूत बना हुआ है। उन्होंने कहा रिजर्व बैंक वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए अर्थव्यवस्था को पूरा समर्थन करेगा।

यूपीआई लेनदेन नई ऊंचाई पर, भुगतान में गांवों ने शहरों को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई से लेनदेन 2022-23 में रिकॉर्ड 139 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। 2016 में यूपीआई के जरिये सिर्फ 6,947 करोड़ रुपये का लेनदेन होता था। इस अवधि में संख्या के लिहाज यूपीआई लेनदेन 1.8 करोड़ से बढ़कर 8,375 करोड़ पहुंच गया। खास बात है कि यूपीआई भुगतान में गांवों ने शहरों को पीछे छोड़ दिया।

एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, 2015-16 में जीडीपी की तुलना में डिजिटल भुगतान 668 फीसदी था, जो अब 767 फीसदी पहुंच गया है। आरटीजीएस को छोड़ दें तो खुदरा डिजिटल भुगतान 129 फीसदी से बढ़कर 242 फीसदी पर पहुंच गया है। उधर, 2022-23 में मूल्य के लिहाज से यूपीआई भुगतान में गांवों का हिस्सा बढ़कर 25 फीसदी पहुंच गया, जबकि शहरों की हिस्सेदारी 20 फीसदी रही।

खुदरा लेनदेन में तेजी- खुदरा में यूपीआई का मूल्य बढ़कर 83 फीसदी हो गया है। एटीएम से निकासी घटकर 17 फीसदी हो गई है। एटीएम से कुल लेनदेन (डेबिट कार्ड) 30-35 लाख करोड़ रुपये रहा है। 2017 में एटीएम से लेनदेन नॉमिनल जीडीपी का 15.4 फीसदी था, जो अब 12.1त्न पर आ गया है।

2000 के नोट वापस लेने का असर नहीं- एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि आरबीआई के 2000 के नोट वापस लेने के फैसले का अर्थव्यवस्था पर कोई असर नहीं होगा। हालांकि, इससे बैंकों को तरलता के मोर्चे पर मदद मिल जाएगी। रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि नोट वापसी से करीब 3 लाख करोड़ रुपये वापस सिस्टम में आ जाएंगे, जबकि बैंकों के करेंसी चेस्ट के पास पहले से ही 60 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम है।

साल में सिर्फ 8 बार एटीएम जाते हैं लोग- रिपोर्ट में कहा गया है कि पैसे निकालने के लिए पहले लोग साल में औसतन 16 बार एटीएम में जाते थे। अब यह संख्या घटकर 8 बार रह गई है। लगातार डिजिटल भुगतान की वजह से अब एटीएम से नकदी निकासी में गिरावट आई है। इस समय देश में 2.5 लाख एटीएम हैं।

यूपीआई से अप्रैल में 14.1 लाख करोड़ का भुगतान- रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल में यूपीआई से कुल 8.9 अरब लेनदेन के जरिये 14.1 लाख करोड़ रुपये का भुगतान हुआ। इस दौरान हर भुगतान का मूल्य औसतन 1,600 रुपये रहा। देश के शीर्ष-15 राज्यों में यूपीआई की मूल्य और संख्या के लिहाज से हिस्सेदारी 90 फीसदी रही है। शीर्ष-100 जिलों में यह हिस्सा 45 फीसदी है। यूपीआई में एक रुपये का मूल्य बढ़ने से डेबिट कार्ड से लेनदेन में 18 पैसे की कमी आती है।

रघुराम राजन ने दिया था 10000 के नोट का छापने का आइडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एक बार फिर से एक नोट को सर्कुलेशन से बाहर करने का फैसला लिया है। 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोट को बंद करने का फैसला लिया गया। आरबीआई के साल 2016 में नोटबंदी के बाद जिस नोट को जारी किया था, उसे करीब 8 सालों में ही वापस ले लिया। 2000 का नोट वापस लेने के फैसले के पीछे आरबीआई बार-बार दलील दे रहा है कि हाई वैल्यू वाले नोटों को बाजार से वापस लिया जा रहा है। केंद्रीय बैंक ने दलील दी कि 2 हजार के बड़े नोट की बाजार में जरूरत नहीं है।

10000 रुपये के नोट छापने की सिफारिश- आपको जानकर हैरानी होगी आरबीआई ने जिन 2000 रुपये के नोट को ये कहकर वापस लेने का फैसला लिया कि बड़े नोट की जरूरत नहीं है, कुछ साल पहले उसी आरबीआई ने 5000 रुपये और 10000 रुपये के बड़े नोट को छापने की सिफारिश की थी। अक्टूबर 2014 में आरबीआई के गवर्नर रघुराम राजन ने केंद्र सरकार को 5 हजार और 10 हजार रुपए के नोट जारी करने का सुझाव दिया था। रघुराम राजन ने इसके पीछे दलील दी थी कि देश में बढ़ती महंगाई के चलते 1 हजार रुपए के नोट की कीमत कम हुई है। बेकाबू महंगाई पर काबू पाने के लिए उन्होंने बड़े नोट को छापने की सिफारिश की गई।

अरुण जेटली ने कर दिया था इनकार- सेंट्रल बैंक आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने अक्टूबर 2014 में मोदी सरकार को 5 हजार और 10 हजार के नोट छापने की सलाह दी थी। आरबीआई गवर्नर के इस सुझाव को सरकार ने मानने से इंकार कर दिया है। उस वक्त के वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि सरकार ने इस सिफारिश को खारिज कर दिया क्योंकि वह रीप्लेसमेंट करंसी जल्द चाहती थी, इसलिए सरकार ने 2 हजार रुपए के नोट जारी करने का फैसला लिया गया। हालांकि बाद में साल 2015 में रघुराम राजन ने खुद कहा था कि बड़े मूल्यवर्ग के नोटों के साथ जालसाजी का डर रहता है। जिसके चलते इसे रखना मुश्किल होता है। बड़े नोटों के साथ काला बाजारी आसान हो जाती है। भारत के पड़ोसी देशों से नकदी नोटों की जालसाजी आसान हो जाती है।

साल 2022 में 3.5 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंची भारतीय अर्थव्यवस्था, नौकरशाही की लेटलतीफी बड़ा चैलेंज: मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) साल 2022 में 3,500 अरब डॉलर से अधिक रहा और अगले पांच वर्षों तक यह जी20 समूह में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था रहेगा। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी ने एक शोध रिपोर्ट में भारत की वृद्धि रफ्तार को लेकर आशावादी नजरिया जताने के साथ निर्णय-प्रक्रिया में शामिल नौकरशाही के रुख को लेकर आशंका भी जताई है। उसने कहा कि नौकरशाही का लेटलतीफी वाला रवैया प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) गंतव्य के तौर पर भारत के आकर्षण को कम कर सकता है।

मूडीज के मुताबिक, भारत की वृद्धि रफ्तार पर नौकरशाही की तरफ से लगाई जाने वाली अड़चनें लगाम लगा सकती हैं। लाइसेंस लेने और कारोबार शुरू करने की अनुमति प्रक्रिया में नौकरशाही की धीमी रफ्तार परियोजनाओं की स्थापना के समय को बढ़ा सकती है। मूडीज इन्वेस्टर सर्विस ने रिपोर्ट में कहा कि निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में शामिल भारत की शीर्ष नौकरशाही इस क्षेत्र के इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे दूसरे विकासशील देशों के मुकाबले एक एफडीआई गंतव्य के तौर पर भारत के आकर्षण को घटा देगी।

हालांकि, भारत की एक बड़ी युवा एवं शिक्षित श्रमशक्ति, छोटे परिवारों की बढ़ती संख्या और शहरीकरण से आवास, सीमेंट एवं नई कारों के लिए मांग बढ़ेगी। इसके अलावा ढांचागत क्षेत्र पर सरकारी खर्च बढ़ने से इस्पात एवं सीमेंट कारोबार और शुद्ध-शून्य उत्सर्जन से नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश बढ़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, विनिर्माण एवं ढांचागत क्षेत्रों में मांग इस दशक के बाकी समय में भारतीय अर्थव्यवस्था सालाना 3-12 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इसके बावजूद भारत की क्षमता वर्ष 2030 तक चीन से पीछे ही रहेगी।

मूडीज ने कहा कि क्षेत्रीय व्यापार समझौतों को लेकर भारत के सीमित उदार रवैये का भी विदेशी निवेश आकर्षित करने पर असर पड़ेगा। हालांकि, भ्रष्टाचार पर नकेल कसने, आर्थिक गतिविधियों को संगठित करने और कर संग्रह एवं प्रशासन को बेहतर करने के सरकारी प्रयास उत्साहजनक हैं लेकिन इन कोशिशों की प्रभाव को लेकर जोखिम भी बढ़े हैं।

27 माह में सबसे कम रह सकता है पाम तेल आयात, भारत पेट्रोलियम को 168 प्रतिशत अधिक लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। पाम तेल का आयात इस महीने गिरकर 27 माह के निचले स्तर पर आ सकता है। आयातकों ने इस बार पाम तेल के कार्गो को रद्द कर सोया तेल और सूरजमुखी तेल का आयात किया है।

डीलरों के मुताबिक, भारत ने नवंबर से अब तक 6 महीने में औसत 8.18 लाख टन मासिक पाम तेल आयात किया है। अप्रैल में, भारतीय खरीदारों ने कई वर्षों में पहली बार बड़ी मात्रा में पाम तेल की खरीद को रद्द करने का विकल्प चुना था।

गेहूं के निर्यात पर अभी जारी रहेगा प्रतिबंध- सरकार ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की संभावना से इनकार कर दिया। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने मंगलवार को कहा, राजनयिक माध्यमों के जरिये खाद्यान्न की खेपों पर मामला-दर-मामला आधार पर विचार किया जाएगा।

भारत पेट्रोलियम को 168त्न अधिक लाभ- भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 168 फीसदी बढ़कर 6,780 करोड़ रुपये पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 2,559 करोड़ था। आय बढ़कर 1.33 लाख करोड़ पहुंच गई।

अनिल अंबानी की दिवालिया कंपनी में डूब जाएगा एलआईसी और ईपीएफओ का ज्यादातर पैसा!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी कर्ज में डूबे अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल को कर्ज देने वाले बैंकों को भारी चपत लगना तय है। उन्हें अपने कर्ज का केवल 43 फीसदी ही मिल सकता है। हिंदूजा ग्रुप) ने रिलायंस कैपिटल के लिए 9,650 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी और अब उसने इस अमाउंट में ज्यादा बढ़ोतरी से इन्कार कर दिया है। इसके लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत का आखिरी दौर सोमवार शाम खत्म हो गया। हिंदूजा के ऑफर और कंपनी के कैश बेलेंस को देखते हुए केवल 10,090 करोड़ रुपये की रिकवरी होने की उम्मीद है। कंपनी की लिक्विडेशन वैल्यू 12,500-13,000 करोड़ रुपये मानी जा रही है। हिंदूजा ग्रुप की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्सने 26 अप्रैल को हुई नीलामी में रिलायंस कैपिटल के लिए 9,650 करोड़ रुपये की बोली लगाई। सूत्रों के मुताबिक बातचीत में हिंदूजा ग्रुप ने केवल 10 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की।

रिलायंस कैपिटल के पास 430 करोड़ रुपये का कैश भी है जिसे लेंडर्स में बांटा जाएगा। इस तरह यह रकम कुल 10,090 करोड़ रुपये बैठती है। इस तरह लेंडर्स को उनके कुल कर्ज का केवल 43 फीसदी हिस्सा ही मिल पाएगा। एडमिनिस्ट्रेटर नागेश्वर राव वाई ने कुल 23,666 करोड़ रुपये का कर्ज वेरिफाई किया था। सूत्रों के मुताबिक हिंदूजा ग्रुप अगले हफ्ते एक विस्तृत रिजॉल्यूशन प्लान सौंपेगा जबकि लेंडर्स इससे मिलने वाली रकम को आपस में बांटने के लिए प्रोसेस को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसके बाद एडमिनिस्ट्रेटर लेंडर्स को प्लान पर वोट के लिए आमंत्रित करेंगे। हालांकि इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी की भी जरूरत होगी। पहले राउंड में टॉरेंट इनवेस्टमेंट्स ने रिलायंस कैपिटल के लिए 8,640 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाई थी। उसका कहना था कि हिंदूजा ने प्रोसेस खत्म होने के बाद बोली लगाई थी और इसलिए वह अवैध है। मामले की सुनवाई अगस्त में होगी।

एलआईसी और ईपीएफओ का कितना है बकाया- इस बीच एलआईसी, ईपीएफओ और जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी का स्टैंड रिजॉल्यूशन प्लान के लिए अहम होगा। इसकी वजह यह है कि रिलायंस कैपिटल पर इन कंपनियों का ही सबसे ज्यादा कर्ज है।

अबान्स होल्डिंग्स लिमिटेड ने 70.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया

विस्तार योजनाओं का अनावरण किया

मुंबई एजेंसी। एक प्रमुख विविधीकृत वित्तीय सेवा कंपनी अबान्स होल्डिंग्स लिमिटेड ने चौथी तिमाही (क्त4) और वित्तीय वर्ष 2023 के लिए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा की। कंपनी ने उद्योग में एक प्रमुख कंपनी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करते हुए, विभिन्न वित्तीय मेट्रिक्स में महत्वपूर्ण वृद्धि प्रदर्शित की। वित्तीय वर्ष 2023 के लिए कंपनी ने 70.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया जो वित्त वर्ष 2022 में 61.8 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ की तुलना में साल दर साल 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। एफवाय23 के दौरान परिचालन लाभ साल दर साल 15 प्रतिशत बढ़कर 76 करोड़ रुपये हो गया। एफवाय23 के दौरान परिचालन से राजस्व 1,150.97 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था जो वित्त वर्ष 2022 में 638.62 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 80.2 प्रतिशत की वृद्धि बताता है। एजेंसी की आय साल दर साल 83 प्रतिशत से बढ़ी, जो मार्च 2023 को 43 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। एफवाय23 के लिए इपीएस 14.81 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी ने मजबूत जोखिम प्रबंधन बनाए रखा है और नेट एनपीए शून्य पर बना हुआ है। अपने मजबूत परिणामों के अलावा अबान्स होल्डिंग्स ने अपनी रणनीतिक विस्तार योजनाओं को रेखांकित किया, जिसका लक्ष्य भविष्य के विकास को आगे बढ़ाना और प्रमुख क्षेत्रों में अपनी नेतृत्व स्थिति को मजबूत करना है-

1. व्यवसाय संचालन का विविधीकरण- अबान्स होल्डिंग्स लिमिटेड का लक्ष्य अपनी वर्तमान होल्डिंग कंपनी की स्थिति से परे विस्तार करना है और वैकल्पिक निवेश कोष की सभी श्रेणियों द्वारा शुरू की गई योजनाओं के प्रबंधन के लिए प्रायोजकों और निवेश प्रबंधकों के रूप में भी कार्य करना है। ऑब्जेक्ट क्लॉज के परिवर्तन को कंपनियों के रजिस्ट्रार द्वारा अनुमोदित किया गया है और इन गतिविधियों से राजस्व सृजन वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है, जो विनियामक अनुमोदन के अधीन है।

2. एजेंसी की आय में वृद्धि- पूंजी बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, अबान्स होल्डिंग्स ने अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार करके एजेंसी की आय में 83 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है।

3. प्रेषण सेवाओं में विस्तार- अबान्स होल्डिंग्स की सहायक कंपनी कॉर्पोरेट एवेन्यू सर्विसेज लिमिटेड (घ्र्स्रु) ने स्न्नष्ट्य से एक लाइसेंस प्राप्त किया है, जो कई मुद्राओं में लेनदेन करने वाले वैश्विक ग्राहकों को प्रेषण सेवाओं के प्रावधान को सक्षम बनाता है। इस व्यवसाय क्षेत्र में जबरदस्त क्षमता है और समूह के लिए विकास चालक के रूप में काम करने की उम्मीद है।

4. सेटको ग्रोथ और मोमेंटम पोर्टफोलियो का अधिग्रहण- एसेट अंडर मेनेजमेन्ट (रू) को और बढ़ाने के लिए अबान्स ब्रोकिंग सर्विसीज प्राईवेट लिमिटेड जो कि अबान्स होल्डिंग्स की सहायक कंपनी है, उसने सेटको केपिटल मार्केट्स लिमिटेड (स्रष्ह) के साथ एक समझौता ज्ञापन किया है। समझौते में सेटको ग्रोथ और मोमेंटम पोर्टफोलियो को अपने प्रदर्शन इतिहास, निवेशकों, एयूएम और फंड प्रबंधन सहित विनियामक अनुमोदन के अधीन लेना शामिल है। सेटको ग्रोथ एंड मोमेंटम पोर्टफोलियो के पास वर्तमान में 80 करोड़ रुपये की एयूएम है और इसने अपनी स्थापना के बाद से उल्लेखनीय 21.6 प्रतिशत सीएजीआर दिया है। आगे चलकर, इस तरह के विलय और अधिग्रहण हमारी उपस्थिति को मजबूत करेंगे।

पंचकल्याणक महोत्सव 25 मई से 29 मई तक

जुन्नारदेव। 25 मई से 29 मई तक प. पु. श्री 108 मुनि श्री सुप्रभासागर जी महाराज एवं चर्या शिरोमणि श्रमणाचार्य प. पु. श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में श्री मज्जिनेंद्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा गजरथ महामहोत्सव विश्वशांति सुख समृद्धि कामना महायज्ञ का चमत्कारिक भव्यातिभव्य महाआयोजन दिनांक 25 मई 2023 से नंदलाल सुध जुन्नारदेव में प्रारम्भ होने जा रहा है कार्यक्रम का आयोजन जुन्नारदेव नगर के नंदलाल सूद स्टेडियम ग्राउंड में संपन्न होने जा रहा है पंचकल्याणक महोत्सव कार्यक्रम स्थल नन्दलाल सूद ग्राउंड पर मुख्य मार्ग पर निर्माण कार्य चल रहा है जिसमें आवागमन की समस्या को देखते हुए आशीष ठाकुर पंद्राम ने सड़क निर्माण कर रही कंपनी के उच्च अधिकारियों से बात की जिससे श्रीराम तिराहे से मेन मार्केट मुख्य मार्ग तक सड़क मरम्मत का कार्य एवं निर्माण हो चुकी सीसी रोड पर रैम्प बनाने की बात की। परिणाम स्वरुप कार्य प्रारंभ हो गया जिससे आवागमन में किसी प्रकार की समस्या ना हो।

नारियों का सम्मान म. प्र. का अभियान की वार्ड क्रमांक-2 में हुई शुरुआत

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के द्वारा प्रदेश की महिलाओं के हित में नारी सम्मान योजना सशक्त बेटी समृद्ध नारी नारियों का सम्मान मध्यप्रदेश का अभियान की शुरुआत प्रदेश में की जा रही है इसी तारतम्य में जिले के सांसद नकुल नाथ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी के निर्देश पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंकज शुक्ला के द्वारा शहर में विधिवत् वार्ड स्तर पर सघन अभियान नारी सम्मान योजना के लिए चलाया जा रहा है इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 2 में महिलाओं को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए पंजीयन कराया गया वार्ड क्रमांक -2 के समन्वयक मुकेश उपाध्याय ने बताया कि नारियों का सम्मान मध्यप्रदेश का अभियान के तहत सभी वर्गों की युवतियों एवं महिलाओं के लिए नारी सम्मान योजना के अन्तर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रूपये (सालाना 18000 रूपये) व घरेलू गैस सिलेंडर 500 रूपये में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर पात्रता अनुसार प्रदान किये जाएगें इसलिए वार्ड क्रमांक-2 की सभी तपके की महिलाओं का पंजीयन कर आवेदन पत्र भरवाये जा रहे हैं ।

5 लाख ब्राम्हण होंगे एकत्रित, सरकार को दिखाएंगे ताकत

4 जून को होगा भोपाल में ब्राह्मण महाकुंभ, पंडित नरेन्द्र दीक्षित छिंदवाड़ा पहुंचे

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष और संपूर्ण ब्राह्मण समाज समिति के संरक्षक पंडित नरेंद्र दीक्षित सिद्ध महाराज का छिंदवाड़ा नगर आगमन हुआ उन्होंने क्षेत्र के प्राचीन मंदिरों के दर्शन किए और वीझांवाड़ा के सुदर्शन चक्र मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के भव्य समारोह में पंडित दीक्षित शामिल हुए। उसके बाद बड़ी माता मंदिर छिंदवाड़ा में शिलान्यास भूमि पूजन से पूर्व निकाली गई शोभायात्रा में शामिल हुए कल भूमि पूजन के आयोजन में भी शामिल होंगे उनके आगमन पर छिंदवाड़ा के ब्राह्मण समाज में हर्ष है पंडित दीक्षित ने भोपाल में 4 जून को प्रात: 10 होने जा रहे महाकुंभ हुंकार के आयोजन में शामिल होने की ब्राह्मण बंधुओं से अपील की और सबको पीले चावल देकर निमंत्रण दिया। जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अनंत विभूषित मुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज से पंडित दीक्षित ने मुलाकात की और आशीर्वाद प्राप्त किया। आपने बताया कि अब समय आ गया है ब्राह्मण समाज को एक होना चाहिए और ब्राह्मण समाज की एकता भोपाल शहर में लाखों ब्राह्मणों की उपस्थिति से नजर आएगी मध्य प्रदेश के 5 लाख से अधिक ब्राह्मण राजधानी भोपाल में जंबूरी मैदान में उपस्थित होंगे और सरकार को अपनी ताकत दिखाएंगे। संघ के जिलाध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी ने बताया की भोपाल से पधारे पंडित दीक्षित का स्वागत सभी पदाधिकारियों ने किया।

नाबालिग लड़की को शिवपुरी पुलिस ने ढूंढ कर परिजनों से मिलाया दो नग मवेशी भी पकड़े

परासिया। रावनवाड़ा - शिवपुरी थाना क्षेत्रांर्गत 10 दिनों के भीतर नाबालिग युवती के लापता होने का यह दूसरा मामला सामने आया है । जिसमें कि पुलिस ने 12 घंटों में ढूंढ निकाला और परिजनों से मिलाने में सफलता हासिल की है। वहीं पुलिस ने कत्लखाने जा रहे 2 नग मवेशियों को भी पकड़ने में सफलता हासिल की है । पुलिस ने बताया कि रावनवाड़ा निवासी एक महिला में सूचना दर्ज कराई की मंगलवार को 16 वर्षीय उसकी नातिन घर से लापता हो गई है ।?जिस पर पुलिस ने धारा 363 के तहत मामला दर्ज कर युवती कि तलाशी में लग गई और 12 घंटों में युवती को ढूंढ निकाला गया और उसकी दादी को सौंपा गया । बता दें कि अभी कुछ दिन पूर्व ही ढाला क्षेत्र से एक और नाबालिग युवती घर से लापता हुई थी । जिसे पुलिस ने नागपुर में पकड़ा था और उसके परिजनों को सौंपा था । मंगलवार 23 मई को ही पुलिस ने ग्राम छितरी से कोसमी रोड पर एक सफेद रंग की पिकअप क्रमांक एम एच 40 एन 2219 को पकड़ा । जिसमें 2 नग मवेशी (जिनमें दोनों बैल हैं) भरे हुए थे । पिकअप वाहन चालक मुबीन कुरैशी ने बताया कि वह यह मवेशी अपने मालिक शहबाज कुरैशी के कहने पर कत्लखाने ले जा रहा था । दोनों ही आरोपी मोहखेड़ निवासी है। पुलिस द्वारा मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिशत अधिनियम की धारा 4, 6, 9 एवं पशु क्रूरता अत्याचार अधिनियम निवारण की धारा 11 (1) (घ) एवं मोटर व्हीकल एक्ट का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है ।

अवैध होर्डिंग एवं फ्लेक्स हटाए जाएंगे

इमलीखेड़ा, खजरी के आवासों को दो माह में पूर्ण करने निगम आयुक्त ने दिए निर्देश

छिंदवाड़ा। निगमायुक्त राहुल सिंह द्वारा नगर निगम के समय सीमा प्रकरणों की बैठक ली गई। इस बैठक में निगम आयुक्त द्वारा समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत इमलीखेड़ा एवं खजरी के आवासों को दो माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सिटी फाइनेंस रैकिंग के संबंध में सभी जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश उपायुक्त वित्त को दिए गए। निगम आयुक्त ने वित्तीय वर्ष 2023- 24 हेतु राजस्व वसूली की कार्य योजना बनाकर समक्ष में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए इसके साथ ही सभी उपयंत्रियो को अतिरिक्त निर्माण करने वाले भवन स्वामियों के भवनों के प्रशमन के प्रकरण तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। निगमायुक्त ने चौराहों पर लगे अवैध होर्डिंग एवं फ्लेक्स को हटाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश अतिक्रमण दस्ते को दिए। प्रधानमंत्री स्वनिधि की प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक सप्ताह समय सीमा बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश एनयूएलएम सिटी मेनेजर को दिए गए। फिल्टर प्लांट की सुरक्षा हेतु फेंसिंग एवं बाउंड्री वॉल बनाने के निर्देश निगमायुक्त ने बैठक में दिए। बैठक में निगम आयुक्त द्वारा अग्निशमन हेतु दुर्घटना संभावित कारखानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं शैक्षणिक संस्थानों के चिन्हांकन करने उसमें अग्नि सुरक्षा उपकरण लगवाए जाने की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। लाडली बहना योजना अंतर्गत पंजीकृत आवेदिकाओ के डीबीटी एनेबल करने एवं उनके बैंक खातों को आधार से जोड़ने की कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निगमायुक्त ने नाला सफाई मशीन से कराए जाने के निर्देश दिए एवं सभी सेनेटरी इंस्पेक्टर को वर्षा जल भराव स्थल की जानकारी लेकर उन स्थलों जोन अधिकारी के माध्यम से आगामी समय सीमा बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत अप्रारंभ भवनों की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने इन को प्रारंभ कराने एवं अपूर्ण भवनों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में पूर्व की डीपीआर के 240 अप्रारंभ भवनों को प्रदाय राशि के रिकवरी हेतु प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए निगम आयुक्त ने प्राप्त शिकायतों को तय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। लाडली बहना योजना अंतर्गत प्राप्त आपत्तियों के जल्दी निराकरण के निर्देश प्रदान किए गए। निगमायुक्त ने ठोस अपशिष्ट पदार्थ सड़क पर पाए जाने पर चालान करने के निर्देश दिए एवं संजीवनी क्लीनिक की प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक सप्ताह समय सीमा बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त कमलेश निरगुडकर, कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली, सहायक आयुक्त अशोक भामोलिया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य की भव्य आगवानी, प्रथम दर्शन हेतु भक्त हुए आतुर

आज होगा श्री बड़ी माता मंदिर का भूमिपूजन शिलान्यास

छिंदवाड़ा। परमाराध्य परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीश्री 1008 अविमुक्तेश्वरानन्द: सरस्वती जी महाराज का को पवित्र पावन धर्मनगरी छिंदवाड़ा में आगमन हुआ। छिंदवाड़ा जिले से समस्त सनातनी सेवकों दुर्गा पंडाल , गणेश पंडाल , सामाजिक संस्था , राजनीतिक क्षेत्रीय लोगों ने महाराजा श्री का स्वागत में मुख्य रोड़ के चौराहों में जगह जगह महाराज वंदन अभिनंदन सनातनी सेवकों के द्वारा किया गया। हनुमान मंदिर से कलश यात्रा में मातृशक्ति का जन समूह महाराज श्री की शोभायात्रा में मुख्य आगवानी कर रहा था। जो कि यात्रा नगर के मुख्य मार्ग फव्वारा चौक, गोलगंज , मेन रोड होते हुए छोटी बाज़ार पहुंचा। श्री बड़ी माता मंदिर में स्वामी श्री ने मातारानी का पूजन पाठ दर्शन कर , सोनी जी के निवास स्थान में विश्राम के लिए प्रस्थान किया गया। स्वामी श्री वाहन रैली मार्ग में जब स्थानीय मानसरोवर कांप्लेक्स अमित ढेंगे चौक बस स्टैंड पहुंचे तो मोबाइल एसोशियेशन के द्वारा वहा महाराज श्री के हस्ते द्वारा भगवा धर्म ध्वजा की पताका का रोहण किया गया। इस दृश्य को देखते हुए समस्त सनातनी हिन्दू युवा जोश में एक उत्साह उमंग देखा गया।

5000 आम्र से किया जाएगा मातारानी का भव्य श्रृंगार

भूमिपूजन शिलान्यास के शुभ अवसर में मातारानी का भव्य आम्र श्रृंगार किया जाएगा। जिसमें मातारानी के गर्भगृह को आम्र पत्तियों को सुंदर स्वरूप में माता के गर्भगृह स्थान से सुसज्जित किया जावेगी। आप सभी भक्तगण श्रृंगार दर्शन में सादर आमंत्रित हैं।आज भूमिपूजन एवम् शिलान्यास का मुख्य कार्यक्रम की शुभबेला प्रात:10 बजे से महाराज श्री के हस्ते मंदिर नवनिर्माण गर्वग्रह मध्य परिक्षेत्र जमीन तल में पूजन पाठ आरंभ किया जावेगा।

रेल सुविधाओं का विस्तार की मांग

मंडल रेल सलाहकार समिति की बैठक में उठाएं मुद्दे

छिंदवाड़ा। द.पू.म रेलवे के नागपुर मंडल की रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक में जिले की रेल समस्याओं, मांगों और सुझावों को सौंसर निवासी डीआरयूसीसी सदस्य अमर वाडोदे ने उठाया। गौरतलब है कि अमर वाडोदे दिव्यांग हैं। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय नागपुर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक नमिता त्रिपाठी ने की। डीआरयूसीसी सदस्य अमर वाडोदे ने इतवारी- छिंदवाड़ा पैसेंजर ट्रेन का इतवारी से समय बदलने की मांग करते हुए कहा कि यह ट्रेन इतवारी से दोपहर 3.30 बजे छिंदवाड़ा के लिए रवाना होती, ट्रेन का प्रस्थान का समय यात्रियों के लिए सुविधाजनक नहीं है, इस ट्रेन से प्रतिदिन हजारों यात्री आवागमन करते है लेकिन केवल 4 घंटे में नागपुर महानगर में लोगों के कार्य पूर्ण नहीं हो पाते ,ट्रेन का समय इतवारी से प्रस्थान का समय शाम 6:30 बजे के बाद करने ,सौंसर रेलवे स्टेशन रोड की मरम्मत करने रामाकोना -देवी मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज पर अप्रोच सड़क का निर्माण करने ,सौंसर रेलवे स्टेशन में सौंसर रेलवे स्टेशन में टिकट रिजर्वेशन काउंटर रविवार को शुरू रखने ,लोधीखेडा रेलवे स्टेशन में टिकट रिजर्वेशन काउंटर शुरू करने ,लोधीखेडा,रामाकोना और भंडारकुंड रेलवे स्टेशन में फुट ओवरब्रिज में जल्द फुट ओवरब्रिज का कार्य पूर्ण करने,दिव्यांगजनों के लिए मंडल के सभी रेलवे स्टेशन बाधारहित बनाने, ट्रेनों में आगे और पीछे दोनों ओर दिव्यांग कोच रखने, दिव्यांग कोच में सामान्य यात्रियों को प्रवेश नही करने देने, छिंदवाड़ा में दिव्यांगो हेतु रियायत कार्ड शिविर आयोजित करने,नागपुर -छिंदवाड़ा -नैनपुर - मंडला फोर्ट ब्रॉडगेज का दोहरीकरण डबल लाइन की जरूरत बताते हुए रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजने ,नागपुर -छिंदवाड़ा -नैनपुर -मंडला फोर्ट सेक्शन में चौरई, रामाकोना आदि छोटे स्टेशन के पक्के पहुंच मार्ग का निर्माण करने ,नागपुर -छिंदवाड़ा -नैनपुर -मंडला फोर्ट सेक्शन में महत्वपूर्व स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरे सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की।

सामग्री का उपयोग कम करना, पुन: उपयोग में लाने और रीसाईकिल करने के लिए आरआरआर सेंटर को प्रारंभ

परासिया। नगर पालिका परासिया ने आरआरआर सेंटर का शुभारंभ किया। नगर पालिका के पुराने भवन में उक्त सेंटर खोला गया है। इसमें अनुपयोगी वस्तुओं को नागरिक जमा कर सकेंगे। जिसको उपयोग में लाने लायक बनाया जाएगा। वहीं छोटे कार्यक्रमों के लिए यहां स्टील के बर्तन उपलब्ध होंगे। जिससे पालीथीन और डिस्पोजेबल का कचरा कम किया जा सके। इसके लिए नगर पालिका प्रोत्साहित भी करेगी। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय, उपाध्यक्ष महेष सोमकुंवर, सीएमओ दिनेष वाघमारे, सभापति पवन सूर्यवंषी, आशीष जयसवाल इसका शुभारंभ फीता काटकर किया। इस अवसर पर प्रवीण मिश्रा, सेनेटरी इंस्पेक्टर दीपक राय, रोशनी बुनकर, पर्यवेक्षक सलीम खान और नगर पालिका का स्टाफ उपस्थित रहे। सीएमओ दिनेष वाघमारे ने बताया कि आरआरआर सेंटर अंग्रेजी के शब्द रिड्यूस, रीयूस और रीसाईकल के पहले अक्षरों को लेकर बनाया गया है। सामग्री का उपयोग कम करना, पुन: उपयोग में लाने और रीसाईकिल करने के लिए इस सेंटर को प्रारंभ किया गया है। नागरिक इस सेंटर का उपयोग करे। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवी ने कहा कि नगर पालिका के स्वच्छता विभाग ने ट्रिपल आर सेंटर खोला है। बर्तन बैंक, थैला बैंक बनाया गया है। जिससे पालीथीन मुक्त शहर हो सके। उन्होंने कहा कि समस्त नगर वासियों से आग्रह है कि अनुपयोगी सामग्री आरआरआर सेंटर में लाकर जमा करें ताकि इस सामग्री को अन्य कोई व्यक्ति उपयोग कर सके।

दिल के मरीजों को अब बाहर जाने की जरूरत नहीं

विवांता हॉस्पिटल एक जुलाई से शुरू कर देगा

छिंदवाड़ा। शहर का अत्याधुनिक विवांता क्रिटिकल केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल अब जिले को संपूर्ण कैथ लैब की सुविधा देने जा रहा है..1 जुलाई 2023 से विवांता हॉस्पिटल में सर्व सुविधा युक्त हृदय रोग विभाग कार्य करने लगेगा। इसके लिए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स 24 घंटे छिंदवाड़ा में दिल की बीमारियों के संबंध में परामर्श देंगे साथ ही अत्याधुनिक टू डी ईको की सुविधा,टीएमटी एंजियोग्राफी एवं एन्जियो प्लास्टी जैसी सेवाएं अत्याधुनिक मशीनों के साथ मिल सकेगी..

बुधवार को विवांता हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर मीडिया को अपनी उपलब्धियों और आगामी और कार्य योजना से अवगत कराया गया.. विवांता हॉस्पिटल की प्रबंध निदेशक डॉ.श्रद्धा शर्मा , निदेशक बलराम मेघानी एवं पंकज शर्मा ने बताया कि विवांता का कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट बेहद खास होगा क्योंकि सबसे एडवांस मशीनों के साथ इसे लॉन्च किया जा रहा है.. उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिले में कैथ लैब के आ जाने के बाद दिल के मरीजों को गंभीर परिस्थिति में महानगरों का रूख नहीं करना पड़ेगा.. इतना ही नहीं पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए विवांता हॉस्पिटल के निदेशकों ने बताया कि देश के अलग-अलग हिस्सों से आए चिकित्सक छिंदवाड़ा में ही रहकर सिर्फ विवांता हॉस्पिटल के लिए सेवाएं दे रहे हैं इसीलिए विवांता हॉस्पिटल जिले का एकमात्र ऐसा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल है जिसमे 24 घंटे विशेषज्ञ हर परिस्थिति में उपलब्ध रहते हैं और वे अन्य कहीं भी कार्य नहीं करते.. उन्होंने विवांता के डॉक्टर्स की टीम का पत्रकारों से परिचय भी कराया..जिसमें *एमबीबीएस एम.एस गोल्डमेडलिस्ट जनरल सर्जरी एवं एमसीएच यूरोलॉजी विभाग डॉ. इशांश खरे,एम्स नागपुर में काम कर चुके एमबीबीएस एमडी डॉ. पराग मनपे, एमबीबीएस एम.एस ओबस्टेटिक एंड गायनोकोलॉजी डॉ. नीलांजना सिंघई जैन , बाल्य एवं नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ पंकज आंदेलकर , एमबीबीएस एम.डी रेडियोडायग्नोसिस डॉ. संदीप चुड़े ,एमबीबीएस एमएस ऑर्थो डॉ. रौनिक बन्सोड़ शामिल हैं..* विवांता हॉस्पिटल प्रबंधन ने जोर देकर बताया कि सभी चिकित्सक आपको सिर्फ विवांता हॉस्पिटल में ही उपलब्ध रहते हैं..निजी तौर पर या किसी अन्य अस्पताल में ये डॉक्टर्स सेवाएं नहीं देते.. विवांता हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. श्रद्धा शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया कि शहर के पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों के लिए भी विवांता द्वारा हेल्थ पैकेज तैयार किए गए हैं..साथ ही पत्रकारों और उनके परिवार को विवांता हॉस्पिटल में ओपीडी सेवाएं सदैव निःशुल्क उपलब्ध हो सकेंगी..

684 रोगी आयुष मेले में हुए लाभान्वित

जपं अध्यक्ष और जपं उपाध्यक्ष ने किया आयुष मेले का शुभारंभ

बिछुआ। जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर दत्तात्रय भड़ादे के निर्देशानुसार लाइफ स्टाइल फॉर एनवोइरेमेंट के द्वारा लोक स्वास्थ्य सेवा प्रदाय गतिविधि भारत सरकार आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत एवं आयुष विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के तत्वाधान में बुधवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछुआ में विकासखंड स्तरीय आयुष मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सतीश भलावी, उपाध्यक्ष निरंकुश नागरे की अध्यक्षता में मेले का शुभारंभ किया गया। आयुष मेला में 684 रोगी लाभान्वित हुए। जिसमें आयुर्वेद के 431 एवं होम्योपैथी के 253 व्यक्ति लाभान्वित हुए। आयुष मेले में 110 लाभान्वितों को योग परामर्श दिया गया। देवारणय योजना अंतर्गत औषधीय पौधों की जानकारियां के पौधा वितरण किया गया। 52 नागरिकों द्वारा आयुष क्यूआर ऐप डाउनलोड किया गया। एकात्म अभियान के अंतर्गत 100 नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हेतु पंजीयन किया गया। ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, कुटकी, सांवा, अंकुरित अनाज से निर्मित स्वास्थ्यवर्धक पोषक लड्डू एवं अन्य खाद्य सामग्री का प्रदर्शन किया गया। 80 रोगियों का रक्त चाप एवं 35 रोगियों के मधुमेह की जांच की गई। जिला आयुष अधिकारी डॉ दत्तात्रय भदाडे ने आयुष मेले का निरीक्षण कर एवं आमला बिल्व के पौधों का रोपण किया गया। आयुष मेले में मुख्य रूप से शासकीय आयुर्वेद औषधालय बिछुआ, मोया, गुमतरा, देवरी, बड़ोसा, थोटामाल, तुमड़ागढ़ी, खड़बेली, जमुनिया कला, सुर्रेवानी, घोराड़ एवं शासकीय होम्योपैथी औषधालय छिंदवाड़ा का सहयोग रहा। आयुष मेले में मुख्य रूप से शिविर आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हेमन्त दुबे, डॉ धर्मराज देशमुख, रूपलाल अमर्ते, डॉ बबिता खांडेकर, सी. एच. ओ, डॉ गोलू बुनकर उपस्थित रहे।

चौ. चन्द्रभान सिंह के साथ युवाओं में सेल्फी लेने का भारी क्रेज था

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान के जन्म दिन पर जिले भर के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और चन्द्रभान सिंह को जन्म दिन की बधाई देकर उनके दीर्घायु की कामना कर स्नेह भोज का आनंद लिया। चौधरी चन्द्रभान सिंह जनसंघ के संस्थापक चौधरी कुबेरसिंह के पुत्र हैं छात्र जीवन में राजनीति के साथ वे 1990 में राजनीति में आए और पहली बार चुनाव लड़कर छिंदवाड़ा विधानसभा से विधायक बने और पटवा सरकार में मंत्री बने उनके मार्गदर्शक स्व.गंगाराम मिगलानी थे।

1990 के बाद से अभी तक सक्रिय राजनीति में हैं विधानसभा एवं लोकसभा का चुनाव लड़कर वे जिले के कद्ददवर नेता हो गए। जिले में उनकी अच्छी पकड़ हैं लोकसभा में कमलनाथ के खिलाफ चुनाव लड़ने से उनकी पूरे जिले भर में जान पहचान है। उनके वृन्द्रावन लॉन में जन्म दिन का कार्यक्रम था कार्यक्रम की रूपरेखा उनके सहयोगियों के साथ उनके पुत्र चौधरी उत्कर्ष की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी। जिले के नेताओं के अलावा बालाघाट से पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन भी उन्हें बधाई देने आए थे। छिंदवाड़ा के सांसद नकुलनाथ ने भी उन्हें सौजन्यता के नाते जन्मदिन की बधाई का ट्विट किया । जन्म दिन कार्यक्रम में जितने लोग आए थे उससे उनकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। चर्चा है कि चौधरी चन्द्रभान सिंह चौरई विधानसभा से चुनाव लड़ने वाले हैं वे चौरई क्षेत्र में सक्रिय भी हैं उन्होने चौरई विधानसभा क्षेत्र के बहुत लोगों को निमंत्रण दिया था लगभग सभी लोग कार्यक्रम में आए थे। कार्यक्रम में सबसे ज्यादा क्रेज युवाओं का था जो चौधरी चन्द्रभान सिंह के साथ सेल्फी लेने में लगे थे। चौधरी चन्द्रभान सिंह का जन्म दिन भाजपा नेताओं के लिए एक यादगार समारोह था जिसने जिले की राजनीति को गर्मा दिया है। चौरई के कद्दावर नेता और पूर्व विधायक रमेश दुबे प्रबल दावेदार हैं एवं पूर्व से ही चुनाव की तैयारी में लगे थे। क्षेत्र का लगातार दौरा करते हैं। इसके अलावा और भी दावेदार हैं दोनों सक्रिय नेताओं के कारण पार्टी के लोगों की सक्रियता बढ़ गई है। छिंदवाड़ा में भाजपा की गुटबाजी जग जाहिर है जन्म दिन समारोह में एक गुट नहीं आया इसका संदेश भी जनता में गया है।

मॉ जिनवाणी की पूजन कर भव्य चल समारोह निकाला

जैन समाज ने मनाया श्रुत पंचमी महोत्सव

छिन्दवाड़ा। जेष्ठ शुक्ल पंचमी बुधवार के शुभ दिन धर्म नगरी छिन्दवाड़ा में सकल जैन समाज के साथ श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के जिनवाणी तत्वरसिक जिनशासन सेवकों ने विविध अनुष्ठानों के साथ भक्ति भाव पूर्वक माँ जिनवाणी को समर्पित श्रुत पंचमी महोत्सव मनाया। जिसमे छिन्दवाड़ा सहित मुंबई, पुणे, नागपुर, इंदौर, जबलपुर, कन्नड़, ललितपुर, सिवनी से पधारे साधर्मी सम्मिलित हुए।

आदिनाथ जिनालय में हुई पूजन

प्रात:काल की मंगल बेला पर बड़ी संख्या में श्रावकगणों ने अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ जिनालय में वीतरागी देव-शास्त्र-गुरु भगवंतों के साथ श्रुत पंचमी पूजन कर ग्रन्थाधिराज षट्खण्डागम सहित संम्पूर्ण द्वादशांग रूपी माँ जिनवाणी का गुणगान किया। सुंदर मंगलगान में सचिन जैन, वर्धमान जैन, विशाल शास्त्री, विवेक जैन, सिद्धांत जैन का सहयोग प्राप्त हुआ।

जिनवाणी चल समारोह निकाला

पूजन के पश्चात माँ जिनवाणी को रजत विमान में विराजमान कर भव्य चल समारोह निकाला गया जिसमें भजन मंडली के मंगलगानों सहित जिनवाणी माता की जय घोष से धर्म नगरी गुंजायमान हो उठी। चल समारोह की सकल जैन समाज द्वारा भव्य अगुवानी की गई ओर आत्मीय अभिनंदन कर माँ जिनवाणी को नमन किया गया। ऐतिहासिक चल समारोह को सफल बनाने में अशोक वैभव, प्रकाश अहिंसा, दीपकराज जैन, अभिनीत जैन, प्रशम जैन, अमित जैन बब्बल सहित सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

ये रहे सौभाग्यशाली परिवार

फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन ने बताया कि चल समारोह के रजत विमान में विराजमान माँ जिनवाणी के दोनों ओर चँवर ढोरने का सौभाग्य प्रकाश जैन अहिंसा परिवार एवं चौथमल जैन परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं जिनवाणी विराजमान करने का सौभाग्य सर्व श्रीमती स्वस्ति विराग शास्त्री, अनुभूति नीलेश जैन, साधना अशोक जैन जबलपुर, ममता चन्द्रकुमार जैन, शशि संजय जैन, रानी डॉ. कै. सी. जैन, जयंती महेंद्र जैन, सुनीता गोविंद जैन, नयना ज्ञाता जैन, प्रगति राजेश जैन, शांता ठोलिया कन्नड, सुनिता गंगवाल इंदौर, सुमन काला मुंबई, निर्मला जैन, छाया प्रकाशचंद्र जैन, श्रीमती अंशमी सीमांत जैन ललितपुर के साथ कु. देशना जैन सहित अन्य श्राविकाओं को प्राप्त हुआ। श्रुत पंचमी की खुशी में वीतराग विज्ञान पाठशाला द्वारा स्वाध्याय भवन में बाल ब्रह्मचारणी डॉ. आरती जैन के सानिध्य में सुंदर साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका संचालन वर्षा पाटनी एवं आर्या जैन ने किया। जिसमे पाठशाला के छोटे छोटे बच्चों ने जिनागम के ग्यारह अंग एवं चौदह पूर्व के नाम सुनाकर सभी का दिल जीत लिया। सफल आयोजन एवं बच्चों को संस्कारित करने के लिए सकल समाज ने पाठशाला संचालकों को शुभकामनाएं देकर उन्हें साधुवाद दिया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से संघ लोक सेवा (यूपीएससी) परीक्षा में 49 रैंक प्राप्त बदनावर (धार) की सुश्री संस्कृति सोमानी ने निवास कार्यालय में भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया

उद्यानिकी विभाग में जारी होगा विनियमित स्थायी कर्मी का निर्धारण आदेश

भोपाल। उद्यानिकी विभाग के प्रदेश भर में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थायी कर्मी के रूप में विनियमित करने की कार्रवाई शासनादेश के 8 साल बाद अब जिला स्तर पर की जाएगी संचालक उद्यानिकी विभाग ने यह निर्देश 19 मई 2023 को मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के ज्ञापन सौंपने के बाद जारी कर दिए हैं इस निर्देश के बाद उद्यानिकी विभाग के हजारों दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विनियमित स्थायी कर्मी का लाभ प्राप्त होगा

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्षों पांडे ने बताया कि उद्यानिकी विभाग में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थायी कर्मी के रूप में विनियमित करने की कार्यवाही में जिला स्तर के कार्यालय द्वारा शासनादेश 7 अक्टूबर 2016 के निर्देशों का उल्लंघन करके कार्यवाही की गई थी जिस कारण हजारों दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विनियमित स्थाई कर्मी का लाभ नहीं मिल पाया था जिसकी शिकायत संचालक उद्यानिकी को वर्षों से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों एवं मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच द्वारा की जा रही थी छिंदवाड़ा टीकमगढ़ जबलपुर सिवनी के कर्मचारी बरसों से विनियमित स्थायी कर्मी की प्रक्रिया पुनः निर्धारित करने की मांग कर रहे थे कर्मचारी पूर्व में की गई कार्यवाही की जांच की मांग कर रहे थे संचालक उद्यानिकी विभाग ने समस्त कार्रवाई जिला कार्यालयों को सौंप दी है मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने आज संचालक को पत्र सौंपकर मांग करी है कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थायी कर्मी के रूप में विनियमित करने एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को कुशल श्रमिक का वेतन शासनादेश अनुसार समस्त मध्य प्रदेश के जिलों में भुगतान करने की कार्रवाई अतिशीघ्र करी जाए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान मे पीपल, आम और इमली के पौधे रोपे।

सिंधिया का नाम लिए बिना गुना सांसद ने सिंधिया को घेरा

भोपाल। विधानसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश में भाजपा नेताओं के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई। गुना के भाजपा सांसद केपी यादव ने ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम लिए बिना उन पर हमला किया और उन्हें कटघरे में खड़ा किया। यादव ने सिंधिया के बारे में कई अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया।

गुना सांसद के बयान वाला वीडियो मध्य प्रदेश कांग्रेस ने शेयर करके दावा किया कि केपी यादव ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधा है। वीडियो में यादव कथित तौर पर कह रहे हैं 'कुछ मूर्ख लोग होते हैं, जिन्हें यह भी पता नहीं होता है कि हमें मंच पर बोलना क्या है? ये खुद को बुद्धिजीवी समझते हैं।' इस वीडियो को पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया इंचार्ज

जयराम रमेश ने रिट्वीट भी किया है। साथ में लिखा कि गद्दारी का नतीजा 'न घर के रहे, न घाट के।' कांग्रेस के शेयर किए इस वीडियो में केपी यादव कह रहे हैं कि भीड़ में कुछ मूर्ख लोग होते हैं। जिन्हें यह भी नहीं पता कि मंच पर बोलना क्या है? वह अपने आप को बड़ा बुद्धिजीवी समझते है, लेकिन ऐसे कई मूर्ख लोग होते है। मैंने तो पहले भी खुल कर कहा था। जिन्हें यही नहीं पता कि हम भारतीय जनता पार्टी में हैं।

भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और प्रदेश में सरकार है। भारतीय जनता पार्टी का यहां सांसद है। फिर भी भरे मंच से जहां केंद्रीय मंत्री बैठे हैं। जहां और भी कई जनप्रतिनिधि बैठे हैं। वहां मंच से चिल्ला चिल्ला कर कह रहे हैं कि 2019 में हमसे गलती हो हुई थी। मतलब उनकी बुद्धि विवेक की मैं दाद देता हूं कि उनमें कहां से इस तरह की हिम्मत आती है कि जिसका खा रहे हो, उसकी ही थाली में छेद कर रहे हो।'

जहां थे, वहीं रहना था

केपी यादव यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि जिस पार्टी ने आपको मान सम्मान दिया। जिस पार्टी में आप हो। उस पार्टी का सांसद जीता है और आप मंच से कह रहे हो कि आपसे गलती हुई है। यह तो समझ से परे है। यदि उनको इतनी तकलीफ है, तो मुझे लगता है कि उन लोगों को जहां वो थे, वहीं रहना था और इतने जनप्रिय हैं, तो वहीं रहकर फिर से एक बार संघर्ष करते। फिर से एक बार मेरे साथ या मेरी पार्टी जिसे टिकट देती उसके खिलाफ चुनाव लड़ते। यदि जीतते तो मैं भी मानता कि हां इनकी बात में दम है।

यादव ने हराया था सिंधिया को

पिछले 2019 के लोकसभा चुनाव में गुना सीट पर केपी यादव ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराया था। सिंधिया कांग्रेस की सीट पर चुनाव लड़े थे। इसके बाद सिंधिया ने 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन कर ली थी। इससे प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिर गई थी। बताया जा रहा है कि सिंधिया गुना क्षेत्र में यादव समाज के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में सांसद केपी यादव को नहीं बुलाया गया था। माना जा रहा है कि इसकी खीझ निकालते हुए उन्होंने अपनी बात कही है। हालांकि, यादव ने सीधे सिंधिया को नहीं घेरा बल्कि उनके किसी समर्थक के भाषण का जिक्र कर उन पर निशाना साधा। इससे पहले भी सिंधिया परिवार पर वे झांसी की रानी से गद्दारी का आरोप लगा चुके हैं।

समाजों को साधने में जुटे सिंधिया, 2 दिन में 3 जिलों के 9 जातिगत सम्मेलनों में की शिरकत

गुना। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सोमवार और मंगलवार को गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र के तीन जिलों में 9 समाज के सम्मेलनों में शामिल हुए। यह पहला मौका है, जब सिंधिया एक साथ इतनी बड़ी संख्या में समाज व जातियों के सम्मेलनों में हिस्सा लेने पहुंचे। आगामी विधानसभा चुनाव के लिहाज से सिंधिया का यह दौरा अहम माना जा रहा है। इस संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इन कार्यक्रमों के जरिए सिंधिया ने करीब 17 लाख वोटर्स को साधने की कोशिश की है।

असल में विधानसभा चुनाव में भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। यही कारण है कि वो हर समाज को साथ लेकर चल रही है। सोमवार को भोपाल में महाराणा प्रताप जयंती पर आयोजित कार्यक्रम भी इसी रणनीति का हिस्सा था। सीएम शिवराज ने कार्यक्रम में घोषणाएं कर ठाकुर जाति को साधने की कोशिश की। पिछले दिनों निष्कासन के बाद प्रीतम लोधी की भाजपा में वापसी इसी रणनीति के तहत हुई, क्योंकि ग्वालियर-चंबल संभाग में लोधी समाज बड़ी संख्या में है। आखिरकार इस तरह सामाजिक व जातिगत सम्मेलन की जरूरत क्यों पड़ी?

दो हफ्तों में सिंधिया दो बार संसदीय क्षेत्र के दौरे पर रहे। पहला दौरा 22-23 मई को हो चुका है। वहीं, दूसरा दौरा 3-4 जून को होगा। हालांकि 3-4 जून का आधिकारिक कार्यक्रम नहीं आया है। 22 मई को शिवपुरी में तेली, राठौर, साहू, बाथम, मांझी, ढीमर, केवट, कश्यप, निषाद, वैश्य और जैन समाज की सभा में शामिल हुए। वहीं, कोलारस में पडोरा व खातोरा में रावत, मीणा, देशवाली और यादव समाज के लोगों से मिले। 23 मई को गुना में ब्राह्मण और वाल्मीकि समाज की सभा के बाद अशोकनगर में कोरी और जैन समाज की सभा में शामिल हुए।

3 व 4 जून को मुंगावली में बंजारा समाज, अशोकनगर में कुशवाह, शाक्य और मार्य समाज, ईसागढ़ में सिक्ख व पंजाबी समाज, नईसराय में रघुवंशी समाज की सभा प्रस्तावित हैं। वहीं, 4 जून को कोलारस में आदिवासी, बदरवास में धाकड़, किरार, किराड समाज के साथ गुना जिले में मुस्लिम व खटीक समाज के प्रतिनिधियों से मिलने का कार्यक्रम है। ये कार्यक्रम इस तरह से तैयार किए गए हैं कि वे सवर्ण, स्ट-स्ज्ञ, ह्रक्ष्ट सभी समाज के लोगों से मिल सकें। मसलन, गुना में 23 मई को ब्राह्मण और वाल्मीकि समाज के सम्मेलन में शामिल हुए। यानी एक सवर्ण और दूसरा दलित समाज की सभा को संबोधित किया। इसी तरह, अशोकनगर में कोरी और जैन समाज के सम्मेलन में शामिल हुए।

कलेक्टर आशीष सिंह ने कलेक्टर कार्यालय सभागृह में जिले में नशा मुक्ति अभियान की समीक्षा बैठक ली।

आज महापौर मालती राय चिकत्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग की उपस्थिति में नरेला विधानसभा अंतर्गत भारत टॉकीज आरओबी का मॉक ड्रिल एवं लोकार्पण के कार्यक्रम मे सम्मिलित हुई एवं ईदगाह हिल्स स्थित फिल्टर प्लान्ट पर सोलर प्लान्ट के कार्य का निरीक्षण किया ।

कोविड में पिता को खोने वाले जय बारंगे ने यूपीएससी क्रैक की

इटारसी। बैतूल जिले के कोविड में पिता का निधन होने पर भी अनुकंपा नियुक्ति नहीं लेने वाले व पापा का सपना पूरा करने की इच्छाशक्ति वाले बैतूल शहर के खंजनपुर क्षेत्र में रहने वाले जय बारंगे के घर खुशियां बिखरी हुई है। क्योंकि जय का यूपीएससी का रिजल्ट आ गया और उन्होंने उसे क्रैक कर दिखा दिया।

उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में 587 वीं रैंक हासिल की। बैतूल जिले से महज 25 साल की उम्र में यूपीएससी क्लियर करने वाले वे पहले

छात्र बन गए हैं। पिता का सपना था कि जय आईएएस बने। 2021 में कोविड से उनके पिता शिक्षक सुभाषचंद्र बारंगे का निधन हो गया था। निधन के बाद जय ने अनुकंपा नियुक्ति नहीं ली। पारिवारिक स्थिति अच्छी होने के कारण उनकी माता ने भी अनुकंपा नियुक्त नहीं ली। 2021 में कोविड से पिता की मौत से वे थोड़ा नर्वस हो गए थे, लेकिन पिता के सपने को पूरा करने के लिए अब उनका संघर्ष, संकल्प का रूप ले चुका था। वे रोजाना 8 से 10 घंटे की पढ़ाई करते। कुछ समय कोचिंग की।

इसके बाद सेल्फ तैयारी शुरू कर दी। दोस्तों के बीच अपनी तैयारी और नोट्स शेयर किए और अपनी गलती पूछी। इससे एक मजबूत स्थिति बनी और वे आईएएस बनने के लक्ष्य को पहली कोशिश में ही हासिल करने में कामयाब हो सके।

उनके पिता शिक्षक स्व. सुभाषचंद्र बारंगे का सपना था कि उनका बेटा आईएएस बने। क्योंकि उनकी बहन की छोटी बेटी श्वेता पवार डिप्टी कलेक्टर और उनके बड़े भाई का बेटा अमित बारंगे डीएसपी बना था। जय ने बैतूल से स्कूली शिक्षा पूरी की और भोपाल में बीएससी सब्जेक्ट से ग्रेजुएशन किया। मंगलवार को ह्रक्कस्ष्ट का रिजल्ट आने पर सबसे पहले उनके दोस्त मोनू सिंगारे ने घर जाकर बधाई दी। माता संगीता बारंगे बेटे की इस उपलब्धि को लेकर बेहद खुश थीं, तो पति सुभाषचंद्र बारंगे की याद में उनकी आंखें नम भी थीं।

जय ने यूपीएससी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए कुछ टिप्स दिए हैं। जय ने बताया कि यदि आपको यूपीएससी क्लियर करना है तो सबसे पहले आपको पूरी तरह इसमें खुद को झोंकना होगा। कम से कम इसके लिए आपको 3 साल का समय देना होगा। इस परीक्षा में सबसे ज्यादा जरूरत होती है आत्मविश्वास की। यदि आप डिसिप्लिन के साथ तैयारी करते हैं तो आपको सफलता जरूर मिलती हैं।

डिस्ट्रैक्शन के सवाल पर जय कहते हैं कि डिस्ट्रैक्शन तो सभी को होता है, लेकिन यदि आप अपना टारगेट बनाकर काम करेंगे और हमेशा फोकस रहेंगे तो कोई भी चीज आपका ध्यान नहीं भटका सकतीं। आपको बस खुद पर भरोसा रखना है। पूरी तरह मोटिवेट रहना है। जय ने बताया कि वह अपना दिन का टारगेट पूरा करने के बाद अपने परिवार, दोस्तों से बात किया करते थे।

मध्यप्रदेश: आंधी-बारिश से हुई नौतपा की शुरुआत, जून के पहले सप्ताह तक ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल। नौतपा 25 मई यानी गुरुवार से शुरू हो गए हैं। मध्यप्रदेश में इस बार नौतपा की शुरुआत आंधी-बारिश से होगी। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से जून के पहले सप्ताह तक मौसम बदला रहेगा। ऐसे में 5 से 6 दिन बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने पहले दिन भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में कहीं-कहीं बारिश होने का अनुमान जताया है। वहीं, 50 से 60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना भी जताई है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि अरब सागर में बने चक्रवात से प्रदेश में नमी आ रही है। इस कारण बारिश हो रही है। 23 मई से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी एक्टिव है। इस सिस्टम के मई के आखिरी दिनों तक बने रहने की संभावना है। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, आलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, कटनी, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में बारिश होने की संभावना है।

मई में तेज गर्मी पड़ने का ट्रेंड, इस बार बारिश

मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि मार्च से मई तक प्री-मानसून एक्टिविटी रहती है। मार्च और अप्रैल के बाद मई में भी बारिश, ओले और तेज हवा का दौर चल रहा है। मौजूदा सिस्टम को देखते हुए पूरे मई माह में मौसम ऐसा ही रहने का अनुमान है। आमतौर पर मई के आखिरी दिनों में तेज गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो ग्वालियर में 47 और भोपाल में पारा 46 डिग्री के पार पहुंच जाता है। इंदौर, जबलपुर-उज्जैन समेत बाकी शहर भी गर्म रहते हैं, लेकिन अबकी बार पारा 40-42 डिग्री के आसपास ही है। वहीं, तेज हवा और बारिश हो रही है।

खजुराहो-टीकमगढ़ सबसे गर्म

इससे पहले, बुधवार को ग्वालियर और सिवनी में बारिश हुई। दूसरी ओर, प्रदेश के खजुराहो-नरसिंहपुर लगातार चौथे दिन सबसे गर्म रहे। यहां तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, शिवपुरी में 44, नरसिंहपुर में 43.6, रीवा-सीधी में 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी प्रकार दमोह में 42.6, नौगांव में 42.5, गुना में 42.2, उमरिया-खंडवा में 42.1, मलांजखंड में 42, सतना-भोपाल में 41.7, खरगोन में 41.6, सागर में 41.3, रतलाम-मंडला में 41.2, रायसेन-छिंदवाड़ा में 40.8, ग्वालियर में 40.5, धार में 40.2 डिग्री रहा। पचमढ़ी में सबसे कम 34.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, जबकि इंदौर में पारा 38.6 डिग्री रहा। बैतूल, सिवनी, नर्मदापुरम, उज्जैन में बुधवार को मौसम बदला रहा। इस कारण यहां तापमान 40 डिग्री के नीचे रहा। भोपाल में 25 से 28 मई तक लगातार बारिश की संभावना है। 25 और 26 मई तक तेज बारिश हो सकती है। इससे दिन के तापमान में गिरावट भी हो सकती है।